www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
26 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 87 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

## सीजेपी प्रोटेस्ट को मुंबई में मिला बड़ा समर्थन

### राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से पहले किया बड़ा ऐलान, सीएम समेत वीआईपी की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हुए लाठीचार्ज और पुलिस से झड़प के बाद छात्रों का आंदोलन देशव्यापी हो गया है। जंतर-मंतर पर सीजेपी का जमावड़ा है तो वहीं दूसरी आर्थिक राजधानी मुंबई में दादर-शिवाजी पार्क का एरिया जंतर मंतर-2 बन गया है। शुक्रवार को तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में युवा यहां पहुंचे। सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन में जुटे युवाओं के हाथों में स्लोगन और पोस्टर थे। जो पीएम मोदी पर केंद्रित थे। इनमें एक पोस्टर ने सभी का ध्यान खींचा इसमें

लिखा था कि हमें न्यायवाला चाहिए, चाय वाला नहीं, लेकिन राज ठाकरे ने तिरंगा मार्च से 26 जुलाई को शिवसेना और मनसे की ओर से आयोजित संयुक्त मार्च गैर-राजनीतिक होगा। इसमें किसी भी पार्टी का झंडा नहीं होगा और नारे सिर्फ सरकार की कार्रवाई की निंदा करने और छात्रों के समर्थन में ही लगाए जाएंगे। प्रोटेस्ट में पहुंचे उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने अभिजीत दीपके से फोन पर चर्चा की। इस मौके पर राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी मौजूद रहे। दिल्ली के बाद मुंबई में सीजेपी के समर्थन में हुए प्रदर्शन ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। ऐसे में जब रविवार यानी 26 जुलाई को दोनों ठाकरे ब्रदर्स (राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे) ने एक साथ मैदान में उतरने का ऐलान किया है।

## क्रिकेटर आकाशदीप मुकेश बने डीएसपी

### सीएम के पैर छुए, सम्राट बोले-अगले आईपीएल ऑक्शन में बिहार की टीम भी रहेगी

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई। वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर

छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया। ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस साल 106 खिलाड़ियों को लेटर पहले ही दिए जा चुका है। इस योजना में नियुक्ति-पत्र, खेल छात्रवृत्ति चयन-पत्र और खेल सम्मान राशि दी गई। 19 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र मिला है। इसके अलावा समारोह के दौरान 5 पैरा खिलाड़ियों सहित विभिन्न खेल विधाओं के बाकी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। 2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने और एथलेटिक्स में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई।

# भारत ने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम का कर लिया ट्रायल

- सेना के कम्युनिकेशन नेटवर्क से जुड़ सकता है भार्गवास्त्र

**ड्रोन के झुंड को रोक सकता है, गाड़ी पर भी लगा सकते हैं**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय सेना के सामने सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने नागपुर में अपने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सफल लाइव ट्रायल किया। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम हवाई हमलों और ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड) जैसे बढ़ते खतरों से निपटने के लिए तैयार है। इसे सेना के कमांड और कम्युनिकेशन नेटवर्क से भी जोड़ा जा सकता है। मौजूदा जानकारी के मुताबिक, यह सिस्टम खतरनाक ड्रोन और खुद से उड़ने वाले ड्रोन के झुंड को रोकने के लिए बनाया गया है। इनपुट में ट्रायल की तारीख और सेना की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं दी गई है। यह जानकारी अभी सामने

नहीं आई है। कंपनी के मुताबिक ट्रायल सफल रहा। भार्गवास्त्र को गाड़ी पर आसानी से लगाया जा सकता है।

- **स्वदेशी रॉकेट और माइक्रो-मिसाइल से लैस-** कंपनी के मुताबिक, इस सिस्टम में देश में बने रॉकेट और सटीक निशाना लगाने वाली माइक्रो-मिसाइल लगी हैं। दावा है कि ये दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती हैं। कंपनी के अनुसार, भार्गवास्त्र को रेगिस्तान, मैदान और समुद्र तल से 5,000 मीटर तक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी तैनात किया जा सकता है। इसे अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने के हिसाब से तैयार किया गया है। सिस्टम के कंट्रोल सेंटर में 10 किमी तक ड्रोन का पता लगाने वाला रडार और खास सेंसर लगाए गए हैं। कंपनी के मुताबिक ये सेंसर लक्ष्य की पहचान कर उसे ट्रैक करने में मदद करते हैं, जिससे ड्रोन के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा प्रकरण:

# मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को झटका, रिमांड और जमानत दोनों अर्जियां खारिज

देहरादूनः विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के बहुचर्चित चढ़ावा प्रकरण में चमोली न्यायालय ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने मामले के मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को कोई राहत न देते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है।

इसके साथ ही, पुलिस द्वारा मांगी गई कस्टडी रिमांड की अपील को भी न्यायालय ने नामंजूर कर दिया है।

**पुलिस ने मांगी कस्टडी**

बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे से जुड़े विवादित मामले में पुलिस लगातार जांच कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल से आगे की पूछताछ और साक्ष्य जुटाने के लिए चमोली न्यायालय से उसकी कस्टडी रिमांड मांगी थी। वहीं, दूसरी ओर आरोपी के वकीलों ने अदालत में जमानत की गुहार लगाई थी।

**नहीं मिली प्रमोद को राहत**

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पुलिस की कस्टडी रिमांड की अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने आरोपी प्रमोद नौटियाल को भी किसी तरह की राहत देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका को नामंजूर कर दिया है।

# भारी दबाव के बीच धर्मेन्द्र प्रधान ने छोड़ा पद

- शिक्षा मंत्री के पद से दिया इस्तीफा, छात्र आंदोलन के बीच बड़ा फैसला

**बयान में कहा- छात्रों के हित और शिक्षा व्यवस्था की गरिमा सर्वोपरि है**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट परीक्षा विवाद और लगातार बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है।

लंबे समय से विपक्ष और प्रदर्शनकारी संगठन उनकी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे थे। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर खुद धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे की बात कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है।

उन्होंने पोस्ट कर कहा, पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है। भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है। देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

- **धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं के नाम लिखा लेटर-** धर्मेंद्र प्रधान ने अपने लेटर में कहा कि वह पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उन्होंने लिखा कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सरकार ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया और जांच सीबीआई को सौंपी गई।

- **सीजेपी बोली-आंदोलन खत्म, तीनों मांगें पूरी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं।

**प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर जश्न**

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर-मंतर पर जश्न शुरू हो गया। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया। इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा, क्या कह रहे थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। मंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन हमारी दो और मांगे हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे नहीं जाएंगे कॉकरोच एक बार घुसता है तो निकलता नहीं है।

# बिहार और यूपी में छात्र प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी, बवाल

- फायरिंग-पथराव में 15 घायल, दो एसपी भी चोटिल

**आरा में रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शनकारी, प्रयागराज में झड़प**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नीट पेपर लीक मामले और लाठीचार्ज के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन देशभर में शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। बिहार में बंद आयोजित किया गया। इस दौरान पटना और सीवान सहित 8 जिलों में छात्रों ने पुलिस पर पथराव किया। पथराव में सीवान में पथराव से एसपी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और करीब 10 राउंड फायरिंग की। सीतामढ़ी में भी पथराव हुआ। एसपी समेत 12 लोग घायल हो गए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ और सहारनपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रयागराज में 10 हजार लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यूपी के प्रयागराज में 10,000 छात्र सड़क पर- यूपी में शनिवार को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और मेरठ समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में भारी बारिश के बीच 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर आए और जमकर नारेबाजी की। हाथों में संविधान की किताब लेकर पहुंचे छात्र केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े थे।

# भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी से युवाओं में भारी आक्रोश

- मायावती ने कहा, सरकार और विपक्ष दोनों हैं गलत

**शिक्षा सुधार के मुद्दे को छोड़ सिर्फ सियासत कर रहे**

लखनऊ (एजेंसी)। देश में नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपरलीक को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन पर बसपा प्रमुख मायावती ने पक्ष-विपक्ष दोनों को आड़े हाथों लिया। मायावती ने कहा कि शिक्षा सुधार के मुद्दे को छोड़कर दोनों पक्ष सिर्फ सियासत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की नाराजगी और परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यवस्था सुधार पर ध्यान देना चाहिए। मायावती ने कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में कथित पेपरलीक के बाद देशभर में छात्रों में भारी असंतोष है। कई परीक्षार्थियों के मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसी घटनाओं ने भी चिंता बढ़ाई है। ऐसे में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का शांतिपूर्ण धरना लोगों की सहानुभूति हासिल कर रहा है।

**राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़-** मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। अब इस मुद्दे को लेकर सड़क से संसद तक राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। इसका असर कई राज्यों में भी दिखाई दे रहा है, जहां प्रदर्शन और विरोध के कारण तनाव का माहौल बन रहा है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे ऐसे हालात में संयम और सतर्कता बनाए रखें।

# बंगाल में 650 साल पुरानी अदीना मस्जिद के बाहर पूजा

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में मंदिर-मस्जिद विवाद गहराता जा रहा है। ऐसा इस वजह से क्योंकि भारतीय जनता पार्टी नेता के नेतृत्व वाले एक राइट-विंग ग्रुप ने मालदा जिले में एक 650 साल पुरानी मस्जिद के पास पूजा-अर्चना की। इसके बारे में उनका दावा है कि वह कभी मंदिर हुआ करती थी। आगामी सोमवार को 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' संगठन मस्जिद के बाहर एक विशाल शिवलिंग स्थापित करने की योजना बना रहा है। मालदा

**'आदिनाथ मंदिर' के दावे के बीच शिवलिंग स्थापना की तैयारी**

के पांडुआ में स्थित आदिना मस्जिद का निर्माण सिकंदर शाह ने सन् 1373 में करवाया था। एएसआई के मुताबिक, यह मध्यकालीन उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। हालांकि, हिंदू समूह और भाजपा का दावा है कि यह मस्जिद भगवान शिव को समर्पित 'आदिनाथ मंदिर' के स्थान पर बनाई गई थी।

**इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं-** 'आदिनाथ पुरातन शिव मंदिर' के मुख्य संरक्षक और उत्तर बंगाल के लिए बीजेपी के 'सुशासन विंग' की संयोजक काजल गोस्वामी ने कहा,इस तथाकथित मस्जिद में हिंदू और बौद्ध मूर्तियां हैं। आदिनाथ मंदिर को नष्ट करके ही यहां मस्जिद बनाई गई थी। संगठन का दावा है कि मस्जिद में शिवलिंग

के अलावा कई हिंदू और बौद्ध प्रतीक भी मौजूद हैं। उनका कहना है कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर एएसआई की रिपोर्ट की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख करेंगे। गोस्वामी ने कहा,हमारा मकसद मंदिर को बहाल करना और उसके अंदर शिवलिंग स्थापित करना है। मस्जिद के पास स्थापना के लिए 289 किलोमीटर दूर तारकेश्वर से 3.6 फीट ऊंचा और 1.5 टन वजन वाला शिवलिंग लाया जा रहा है।

**संसद में सामिक भट्टाचार्य ने उठाया था मुद्दा**

पांच दिसंबर, 2025 को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और वर्तमान बंगाल अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इस मुद्दे को संसद में उठाया। सदन में अपने बयान में उन्होंने कहा, अदीना मस्जिद बंगाल सल्तनत के सुल्तान सिकंदर शाह ने 1373 ईस्वी में बनवाई थी। यह मस्जिद पहले से मौजूद हिंदू और बौद्ध ढांचों की सामग्री का इस्तेमाल करके बनाई गई थी। स्थानीय परंपराओं और ऐतिहासिक वृत्तांतों से पता चलता है कि यह जगह मूल रूप से भगवान शिव और भगवान विष्णु को समर्पित आदिनाथ मंदिर की थी। मस्जिद के अंदर हिंदू प्रतीकों और वास्तुकला की मौजूदगी इस दावे का समर्थन करती है। भट्टाचार्य ने आगे कहा, यहां मंदिर था।

# मुख्यमंत्री ने 'रन फॉर कारगिल हीरोज' मैराथॉन को दिखायी हरी झंडी

## शौर्य स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को शौर्य स्थल, चीड़बाग, गढ़ीकैंट, देहरादून में आयोजित 'रन फॉर कारगिल हीरोज' मैराथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शौर्य स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम, शौर्य और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारतीय वीर जवानों ने विषम परिस्थितियों में अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा की और विश्व के समक्ष भारतीय सेना के अदम्य साहस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि देश सदैव अपने वीर सैनिकों और शहीदों के बलिदान का ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को वीरों की भूमि के रूप में जाना जाता है। प्रदेश के अनेक वीर सैनिकों ने कारगिल युद्ध सहित विभिन्न सैन्य अभियानों में अपने अद्वितीय साहस और सर्वोच्च बलिदान से देश का गौरव बढ़ाया है। राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा उनके सम्मान और हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें तथा देश की एकता, अखण्डता और सुरक्षा के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें।

## समझौते के अनुरूप मुआवाजा नहीं मिलने पर आक्रोश

नई टिहरी। ग्राम पंचायत जाख, जसपुर का भ्रमण कर भाजपा के वष्ठि नेता व पूर्व मंत्री दिनेश सिंह धनाई ने ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान जाख के काश्तकारों ने टिहरी झील के चारों ओर बन रही रिंग रोड़ के लिए अधिग्रहण की गई जमीन के मुआवजा का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि जब रिंग रोड के लिए उनकी जमीन अधिग्रहण की जा रही थी उस वक्त विभागीय अधिकारियों ने लिखत समझौता किया था।

उन्हें बताया गया कि अधिग्रहण की जा रही भूमि का भुगतान 42 हजार प्रति नाली की दर से भुगतान किया जाएगा लेकिन अब विभाग अपने समझौते से मुकर गया और 12 हजार प्रति नाली दे रहा। इस मौके पर प्रधान जाख मनेंद्र नाथ,उप प्रधान सीता देवी, स्वाति नेगी, अर्चना नेगी,हुक्म सिंह सरियाल, गजपाल सिंह पंवार आदि मौजूद रहे।

# उठ रहे सवाल, किस आधार पर दिए नगर निकायों में ईओ के प्रभार

देहरादूनः नगर निकायों में क्लर्क, सफाई निरीक्षक, कर अधीक्षक, अकाउंट कर्मचारियों को प्रभारी अधिशासी अधिकारी (ईओ) किस आधार पर बनाया, इसका जवाब देने से शहरी विकास निदेशक कतरा रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि 18 प्रभारी ईओ के चयन का पैमाना क्या है। शहरी विकास विभाग ने हाल ही में नौ स्थायी ईओ को नगर निगमों में प्रभारी सहायक नगर आयुक्त बनाते हुए कुल 18 क्लर्क, सफाई निरीक्षक, कर अधीक्षक, अकाउंट कर्मचारियों को नगर पालिका और नगर पंचायतों में प्रभारी ईओ बना दिया था। शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने बताया था कि यह व्यवस्था पूर्व से चली आ रही है। लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं कि इन प्रभारी ईओ के चयन का पैमाना क्या है।

वरिष्ठ होते हुए भी अपने मूल कार्यों में ही लगे कई

अगर चयन का पैमाना वरिष्ठता है तो इनमे से तमाम ऐसे कर्मचारी हैं, जो वरिष्ठता सूची में बेहद निचले पायदान पर हैं। एक तो वरिष्ठता सूची में 177 वें स्थान पर है। एक प्रभारी ईओ अपने संवर्ग में 56वें स्थान पर हैं। तमाम सफाई निरीक्षक, कर अधीक्षक ऐसे हैं जो वरिष्ठ होते हुए भी अपने मूल कार्यों में ही लगे हुए हैं। सवाल उठ रहे हैं कि शहरी विकास विभाग ने पिक एंड चूज की नीति अपनाते हुए मनमर्जी से अपने लोगों को प्रभारी ईओ बनाया है। सवाल पूछने के लिए अपर सचिव एवं निदेशक शहरी विकास विनोद गिरी गोस्वामी को फोन, मैसेज, वॉट्सएप मैसेज किया गया लेकिन उनका कोई जवाब नहीं मिला। जब आएगा तो प्रकाशित किया जाएगा।

## एक नजर

### कांच के फुटपाथ पर रोमांच के लिए लगेगा 100 रुपये शुल्क

ऋषिकेश। तीर्थनगरी के बजरंग सेतु पर बने आकर्षक कांच वाले फुटपाथ (ग्लास वॉक) पर घूमने और चहलकदमी करने के लिए अब पर्यटकों को जेब ढीली करनी होगी। विभाग की ओर से तैयार की गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार बड़े लोगों से प्रति दो घंटे 100 रुपये और छोटे बच्चों से 50 रुपये शुल्क लिए जाने का प्रस्ताव है। शुल्क व्यवस्था लागू करने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बजरंग सेतु के कांच वाले फुटपाथों पर आवाजाही के लिए लोनिवि नरेंद्र नगर की ओर से मानक तय कर दिए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद पर्यटक इस अनूठे अनुभव का आनंद ले सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि शुल्क निर्धारित करने का मुख्य उद्देश्य कांच वाले फुटपाथ की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अनावश्यक भीड़ पर नियंत्रण रखना और व्यवस्थाओं के संचालन का खर्च वहन करना है। पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए पुल पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था भी लागू की जाएगी। दिन और रात की दो शिफ्टों में सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। प्रवेश द्वारों पर दो-दो, निकासी द्वारों पर एक-एक सुरक्षा कर्मी तैनात रहेगा। वहीं ग्लास फुटपाथ पर बने सेल्फी प्वाइंट पर भी सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे। रात्रि के समय पुल के दोनों सिरों पर चार-चार सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या दुर्घटना की आशंका न रहे।

### कोरंगा ने सीएम से हल्द्वानी-दून हेली सेवा शुरू कराने की मांग

हल्द्वानी। दायित्वधारी शंकर कोरंगा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर हल्द्वानी-देहरादून हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में शीघ्र ठोस कार्यवाही का आश्वासन दिया है। देहरादून में हुई शिष्टाचार भेंट में कोरंगा ने कहा कि सुगम आवागमन के लिए यह हेलीकॉप्टर सेवा छात्रों, व्यापारियों, नौकरीपेशा वर्ग और आम जनता की लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। वर्तमान में हल्द्वानी से देहरादून के बीच सड़क मार्ग से 7 से 8 घंटे लगते हैं। हवाई सेवा शुरू होने पर यह यात्रा मात्र 40 से 50 मिनट में पूरी हो सकेगी। इससे समय की बचत के साथ कुमाऊं और गढ़वाल के बीच आपसी संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

### इंतजार खत्मः उत्तराखंड संयुक्त बीएड और एमएड प्रवेश परीक्षा 16 को

नैनीताल। प्रदेश के हजारों युवाओं का शिक्षक बनने का सपना जल्द साकार होगा। 16 अगस्त को होने वाली राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड और एमएड परीक्षा में शामिल होकर छात्र- छात्राओं को अपने सपने को नई उड़ान देने का अवसर मिलेगा।

इस बार संयुक्त प्रवेश परीक्षा के संचालन की जिम्मेदारी सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय को दी गई है। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को सात अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। 16 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा में सफल होने के बाद विद्यार्थियों को एसएसजे विवि, कुमाऊं विवि नैनीताल और श्रीदेव सुमन विवि से संबद्ध परिसर, महाविद्यालय और संस्थानों में बीएड और एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलेगा।

### नदी के तेज बहाव में बहा हरियाणा का युवक

देहरादूनः सहस्त्रधारा क्षेत्र के बगड़ा धोरण में शनिवार शाम नदी के तेज बहाव में बहने से हरियाणा के एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही राजपुर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को नदी से बाहर निकाला और उपचार के लिए कोरोनेशन अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार शनिवार शाम करीब 5:40 बजे यूपी-112 कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि सहस्त्रधारा के बगड़ा धोरण क्षेत्र में एक व्यक्ति नदी में बह गया है। सूचना मिलते ही आईटी पार्क चौकी प्रभारी पुलिस टीम और एसडीआरएफ मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने तत्काल संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को नदी से बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस से कोरोनेशन अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अंकुश तुसाम (पुत्र रामफल) निवासी ग्राम शिमला गुजरान, थाना बापौली, जिला पानीपत (हरियाणा) के रूप में हुई है। घटना के समय मृतक के परिजन भी देहरादून में मौजूद थे और अस्पताल पहुंच गए।

### प्रगति कलस्टर स्वायत्त सहकारिता समूह की नई कार्यकारिणी गठित

नई टिहरी। नरेंद्रनगर ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामोत्थान रीप परियोजना के प्रगति कलस्टर स्वायत्त सहकारिता समूह चाका की वार्षिक आम सभा बैठक आयोजित की गई। पोखरी में आयोजित बैठक का जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह असवाल, पलोगी के प्रधान मुकेश बिजल्वाण, किराड़ा की प्रधान अमिता देवी ने शुभारंभ किया।

# भारी बारिश से सड़क धंसी, बीच सड़क पर बना करीब 15 फीट लंबा और 10 फीट गहरा गड्ढा

देहरादूनः लगातार हो रही भारी बारिश के चलते देहरादून के तीन कुआं, डाकरा क्षेत्र में सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक धंस गया। सड़क के बीचों-बीच बना करीब 15 फीट लंबा और लगभग 10 फीट गहरा गड्ढा स्थानीय लोगों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़क का बड़ा हिस्सा धंसने से गहरा गड्ढा बन गया है और आसपास की सड़क में भी दरारें पड़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा के लिए अस्थायी रूप से ईंटें और पेड़ की टहनियां लगाकर राहगीरों को सतर्क करने का प्रयास किया है, लेकिन रात के समय यह स्थान और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) और संबंधित विभागों से मांग की है कि प्रभावित सड़क का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए तथा

दुर्घटनाओं से बचाव के लिए बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क धंसने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में संवेदनशील स्थानों का समय-समय पर निरीक्षण और आवश्यक मरम्मत कराना बेहद जरूरी है, ताकि जनहानि और बड़े हादसों से बचा जा सके।

# बिना शिक्षकों का मॉडल इंटर कॉलेज

थत्यूड़ (टिहरी)। शिक्षकों के अभाव में राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज की शिक्षा व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। अभिभावक लंबे समय से बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कॉलेज में प्रवक्ताओं समेत कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त होने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हिंदी, अर्थशास्त्र और इतिहास के प्रवक्ता, हाईस्कूल में गणित शिक्षक का पद रिक्त होने से बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। विद्यालय में कनिष्ठ सहायक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पद भी रिक्त हैं। अभिभावकों ने जल्द रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। पीटीए संघ के अध्यक्ष हरिओम रावत, एसएमसी अध्यक्ष जगपाल सिंह पंवार, हरिभजन सिंह पंवार का कहना है कि विद्यालय में शिक्षकों की कमी का सीधा असर छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ रहा है। महत्वपूर्ण विषयों में शिक्षक नहीं होने से नियमित कक्षाओं और विषयवार पढ़ाई नहीं हो पा रही है। हाईस्कूल और इंटर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द रिक्त पदों पर शिक्षकों की तैनाती नहीं की गई तो अभिभावक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र देवराड़ी ने बताया कि विद्यालय में हिंदी, अर्थशास्त्र और इतिहास विषय में प्रवक्ता तथा हाईस्कूल में गणित शिक्षक का पद रिक्त है।

## राजकीय प्राथमिक विद्यालय नेग्याणा का भवन हुआ जर्जर

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के नेग्याणा गांव का राजकीय प्राथमिक विद्यालय लंबे समय से जर्जर है। छात्र जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने के लिए मजबूर हैं। विद्यालय भवन जर्जर होने से अभिभावकों को भी बच्चों की चिंता सताने में लगी है।

नैनबाग तहसील के नेग्याणा गांव के प्राथमिक विद्यालय भवन की छत और दीवारें खस्ताहाल स्थिति में है। अभिभावक और ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह नेगी लंबे समय से विद्यालय भवन के पुनर्निर्माण की मांग करते आ रहे हैं लेकिन बजट के अभाव में विद्यालय भवन का निर्माण नहीं हो पाया। ग्राम प्रधान नेगी ने बताया कि नेग्याणा विद्यालय भवन का निर्माण वर्ष 1998-99 में हुआ था। विद्यालय भवन बने 26 वर्ष से अधिक का समय हो गया है। बजट के अभाव में विद्यालय भवन की मरम्मत का कार्य भी नहीं हो पाया।

बताया विद्यालय में वर्तमान में गांव के 11 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। छात्र-छात्राएं जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। बताया विद्यालय भवन की स्थिति इतनी जर्जर है कि विद्यालय की छत और दीवारों से प्लास्ट गिर रहा है। दीवारों पर दरारें पड़ चुकी है, खिड़की, रोशनदान और दरवाजे टूट चुके हैं। अभिभावक और ग्राम प्रधान लंबे समय से जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से विद्यालय भवन के निर्माण की मांग करते आ रहे हैं जा रही है।

# शादी से इन्कार पर युवती ने बीच सड़क पर चप्पलों से की प्रेमी की पिटाई

उधमसिंह नगर, उधमसिंह नगर जिले के बाजपुर में शनिवार को उस समय हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब एक युवती ने शादी का वादा पूरा न करने का आरोप लगाते हुए अपने प्रेमी की बीच सड़क पर चप्पलों से पिटाई कर दी। युवती ने युवक का कॉलर पकड़कर उसे सड़क पर घसीटते हुए चप्पलों से पीटा और फिर सीधे बाजपुर कोतवाली पहुंच गई। घटना के दौरान सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती का आरोप है कि युवक लंबे समय से उससे शादी करने का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए हुए था। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे और युवक लगातार शादी का आश्वासन देता रहा। युवती का कहना है कि जब दोनों परिवारों के बीच विवाह की बात आगे बढ़ाने का समय आया तो युवक अचानक अपने वादे से मुकर

गया और शादी करने से साफ इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक के इनकार से नाराज युवती ने उसे रास्ते में रोक लिया। देखते ही देखते दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई। गुस्से में युवती ने युवक का कॉलर पकड़ लिया और बीच सड़क पर ही चप्पलों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम को देखकर राहगीर रुक गए और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कई लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया। हंगामे के बाद युवती युवक को अपने साथ लेकर सीधे बाजपुर कोतवाली पहुंची, जहां दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों को शांत कराया और मामले की जानकारी ली। इसके बाद दोनों से अलग-अलग पूछताछ की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल दोनों पक्षों की ओर से कोई लिखित शिकायत (तहरीर) नहीं दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दोनों के बीच संबंधों तथा विवाद की वास्तविक वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि यदि किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त होती है तो उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# बारिश-जलभराव से ट्रेनों का आवागमन प्रभावित

देहरादूनः देश के कई इलाकों में भारी बारिश और जलभराव का असर ट्रेनों के परिचालन पर पड़ रहा है। पश्चिम रेलवे के गवड-उभराट रेलखंड में भारी बारिश से जलभराव के कारण बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन निरस्त कर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में भी जलभराव के कारण कई ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि पश्चिम रेलवे में गवड-उभराट रेलखंड़ पर रेल पुल संख्या 203 पर जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया। ऐसे में एहतियातन रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया है।

इसके कारण बांद्रा से आने वाली गाड़ी संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस - हरिद्वार एक्सप्रेस का संचालन शुक्रवार को निरस्त कर दिया गया। वहीं, गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का संचालन आज

शनिवार को निरस्त रहेगा। वहीं, पूर्वोत्तर के सिमालगुड़ी यार्ड के निकट नदी का जलस्तर बढ़ने से रेलवे ट्रैक पर पानी आने के कारण ट्रेनों को निरस्त और मार्ग परिवर्तन किया गया है।

गाड़ी संख्या 15934 अमृतसर - न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस निरस्त रही। गाड़ी संख्या 15910 लालगढ़ - डिब्रूगढ़ अवध असम एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, सहित मार्ग से चलने वाली ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है।

## दुष्कर्म के आरोपी नरेश पांडे की जमानत अर्जी खारिज

नैनीताल। नाबालिग से दुष्कर्म प्रकरण के आरोपी भवाली निवासी व्यापारी नेता नरेश पांडे को को जिला कोर्ट से राहत नहीं मिली। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो (एफटीएससी) एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर तोमर की अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

अभियोजन की ओर से न्यायालय को बताया गया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है। पीड़िता ने 12 जुलाई 2026 को मल्लीताल थाने में तहरीर दी। कहा कि वर्ष 2025 में डीएसबी कॉलेज में प्रवेश लेने के दौरान उसकी पहचान सह-अभियुक्ता से हुई। उसने अक्तूबर 2025 में उसे काठगोदाम के एक होटल में नरेश पांडे से मिलवाया जहां आरोपी ने उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की नामजद तहरीर, विवेचक और मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज बयान, चिकित्सा अभिलेख, आरोपी की भूमिका और आपराधिक इतिहास के अवलोकन के बाद न्यायालय ने कहा कि प्रथमदृष्टया मामला गंभीर प्रकृति का है।

यह पॉक्सो अधिनियम सरीखे विशेष कानून के तहत नाबालिग के यौन शोषण से जुड़ा है। इन आधारों पर न्यायालय ने आरोपी नरेश पांडे की जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

# डीएम डॉ. आशीष चौहान ने दिए सर्जिकल स्ट्राइक के निर्देश

देहरादूनः जनपद में बढ़ते नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जिला स्तरीय नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन समिति की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक और लक्षित अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस, एसटीएफ, एएनटीएफ, एनसीबी और संबंधित विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें।

बैठक में डीएम ने पुलिस को पिछले वर्षों के एनडीपीएस मामलों का कर विश्लेषण कर जिले के नशे के हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान करने के निर्देश दिए। इन क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर नशा तस्करों और उनकी सप्लाई चेन पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने चाय-तंबाकू की ठेलियों, मेडिकल स्टोरों, स्लम बस्तियों, छात्रावासों,

पीजी आवासों और कोचिंग संस्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही ई-ड्रग्स और केमिकल ड्रग्स के बढ़ते खतरे को देखते हुए संबंधित एजेंसियों को समन्वित अभियान चलाकर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के आदेश दिए। युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से डीएम ने स्कूलों और कॉलेजों में एंटी-ड्रग्स जागरूकता, साइबर अपराध और वित्तीय अपराध से जुड़े विषयों को पाठ्यक्रम और जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करने के निर्देश दिए। छात्रावासों, पीजी और शिक्षण संस्थानों में सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने तथा एंटी ड्रग्स हेल्पलाइन 1933 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में नशा मुक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। डीएम ने सभी एसडीएम को जिले के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और मानकों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए ऐसे केंद्रों को सील करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सेलाकुई में 30 बेड के नए नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 151 एनडीपीएस अधिनियम के मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं तथा 170 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

# मानवता की प्रतिमूर्ति सत्य प्रकाश थपलियाल नहीं रहे

## आज मां गंगा के चंडीघाट तट पर होगा सत्य प्रकाश थपलियाल अंतिम संस्कार

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, साहित्य, संस्कारों और मातृ पितृ विहीन बच्चों के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल मानवता की प्रतिमूर्ति सत्य प्रकाश थपलियाल अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन से उत्तराखण्ड के साहित्य, लोकमंच और नरणारायण सेवा की मुहिम को अपूरणीय क्षति हुई है। स्व0 सत्यप्रकाश थपलियाल ने उत्तराखण्ड लोक साहित्य मंच की स्थापना कर बच्चों में नैतिक संस्कारों के लिए शिक्षा ही नहीं विद्या, बच्चों को हर नशे से दूर रहने के लिए जहां विद्यालयों में जा जाकर कार्यक्रम किये वहीं साहित्य और लोकमंच के माध्यम से अनेकों कार्यक्रम भी किए। उनकी इन सेवाओं के लिए उन्हें सैकड़ों मंचों से सम्मानित भी किया गया। इनमें उन्हें सबसे पहले वर्ष 2004 में दैनिक जयन्त ने अपने रजत जयंती पर्व पर उत्तराखण्ड राजभवन में राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया था। समाज सेवा के अग्रदूत कोटद्वार निवासी सत्य प्रकाश थपलियाल ने 24 जुलाई 2026 को रात 10 बजे अपने पुत्र के दिल्ली निवास पर अन्तिम सांस ली। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। 26 जुलाई को

मां गंगा के चंडीघाट तट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मानवता की प्रतिमूर्ति सत्य प्रकाश थपलियाल का जन्म 4 मई 1940 को ग्राम चिलोली, पट्टी असवालस्यूं, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम महात्मा रामरतन थपलियाल, माता का नाम प्रतिमा देवी तथा सहधर्मिणी का नाम कृष्णा थपलियाल था। स्व. कृष्णा थपलियाल भी एक प्रतिष्ठित शिक्षिका थी। पिता रामरतन थपलियाल प्रतिष्ठित हिन्दी पुस्तक विश्वदर्शन के रचयिता थे। बाद में इस पुस्तक का अंग्रेजी तथा जापानी भाषा में भी अनुवाद किया गया। पिता द्वारा दिये गये अध्यात्मिक संस्कार आपके अन्दर मौजूद थे। उनकी प्राथमिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय किमोली, पौड़ी गढ़वाल में हुई, हाईस्कूल देहरादून से तथा इण्टरमीडिएट श्रीनगर गढ़वाल से किया। बी.ए. तथा एम.ए. राजनीति शास्त्र लखनऊविश्वविद्यालय तथा अर्थशास्त्र में एम.ए गढ़वाल विश्वविद्यालय से किया। सन् 1972 में उत्तर प्रदेश राजकीय माध्यमिक शिक्षा में सेवाएं देना शुरू किया तथा राजकीय इण्टर कॉलेज नौगांवखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल में नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता नियुक्त हुए। सन् 1998 में राजकीय इण्टर कॉलेज कोटद्वार से सेवानिवृत्त हुए।

### समाज में योगदान के लिए मिले अनेक सम्मान

सेवानिवृत्ति के बाद सत्य प्रकाश थपलियाल ने मन, वचन तथा कर्म से अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। अपने आस-पास प्रत्येक जरूरतमंद की सेवा करना ही आपने अपने जीवन का लक्ष्य मान लिया, इसके साथ ही युवाओं तथा बच्चों को सुसंस्कारित करने के लिए भी अभियान चलाया। कोटद्वार तथा आसपास के माध्यमिक विद्यालयों में ह्यशिक्षा ही नहीं विद्या भी चाहिएह्व तथा ह्यनशा नहीं, शिक्षा अपनाओह्व का अभियान चलाकर विद्यार्थियों को सुसंस्कारित तथा राष्ट्र का जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए निरन्तर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये। समाज हित के इन प्रयासों ने समाज का ध्यान उनकी ओर आकृष्ट किया। साथ ही होली, दीपावली, सनातन नववर्ष जैसे पवित्र त्यौहारों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करने के लिए जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तराखण्ड लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच के वह संस्थापक अध्यक्ष रहे, वर्तमान में यह संस्था मातृ-पितृ विहीन बच्चों के लिए समय-समय पर फीस, पुस्तकें तथा स्कूल ड्रेस की व्यवस्था करती है। समाज के प्रति सच्ची सेवाभाव को देखते हुए समय-समय पर अनेक सामाजिक संस्थाओं ने उन्हें अनेक सम्मानों से सम्मानित कर विभूषित किया।

### कण्वनगरी संस्कारशाला की रखी अधारशिला

समाजसेवी सत्य प्रकाश थपलियाल ने इस वर्ष जब भावी पीढ़ी को संस्कारयुक्त, नशामुक्त बनाने के लिए जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कण्वनगरी संस्कारशाला का गठन किया गया तो वह इसके मुख्य प्रेरक तथा मार्गदर्शक रहे। उनके द्वारा ही कण्वनगरी संस्कारशाला की आधारशिला रखी गयी। सादगी भरा, संस्कारित, उदारचित्त, त्याग, तपस्या से परिपूर्ण उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

### दशकों तक निःस्वार्थ भाव से की सेवा

समाजसेवी सत्यप्रकाश थपलियाल ने शिक्षा, मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण संस्कार युक्त, नशामुक्त जीवन तथा सामाजिक न्याय के क्षेत्र में दशकों तक निःस्वार्थ भाव से सेवा की है। मानवीय दृष्टिकोण, करुणा, मानव प्रेम तथा समाज के प्रति समर्पण के भाव के कारण ही आप मानवता की प्रतिमूर्ति कहलाये। उनके निधन से समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। समाज के जागरूक प्रबुद्ध जनों ने उनके प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। आज समाज ने एक निःस्वार्थ सेवाभावी को खो दिया है। जिसकी भरपाई अब सम्भव नहीं है। भले ही मानवता की प्रतिमूर्ति सत्य प्रकाश थपलियाल आज हमारे बीच भौतिक शरीर के रूप में उपस्थित नहीं हैं, परन्तु समाज सेवा का जो मार्ग उन्होंने तैयार किया है निश्चित रूप से आने पीढ़ी उसका अनुसरण करेगी तथा श्रेष्ठ मानवीय संस्कारों से संस्कारित होते हुए सक्षम, समृद्ध तथा शान्ति पूर्ण जीवन की अनुगामी होगी। यही आपके जीवन की सीख है तथा यही आपके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### श्रमदान कर महिलाओं ने बनाया खडंजा मार्ग

**जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन :** बाड़ियूं ग्राम सभा के अंतर्गत डेरियाखाल की महिलाओं ने श्रमदान कर लैंसडौन से डेरियाखाल के लिए जाने वाले वैकल्पिक मार्ग पर 200 मीटर तक खड़ंजा बिछाया। ग्रामीण बीते कई वर्षों से इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण की मांग करते आ रहे हैं। लैंसडौन के किलोमीटर संख्या-2 से डेरियाखाल तक जाने वाले मार्ग पर दर्जनों गांवों के लोग रोजाना पैदल आवाजाही करते हैं। मार्ग से लैंसडौन में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भी गुजरते हैं। बारिश के कारण मार्ग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे लोगों व स्कूली बच्चों को आने-जाने में परेशानियां हो रही हैं। ग्रामीण बीते कई वर्षों से इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण की मांग करते आ रहे हैं। ग्राम प्रधान रामी देवी ने बताया कि ग्रामीणों व इस मार्ग का प्रयोग करने वाले छात्रों की परेशानियों को देखते हुए डेरियाखाल के शिव मंदिर से पीछे से कार्य शुरु करवाकर 200 मीटर दूरी तक मार्ग पर महिलाओं ने श्रमदान कर खड़ंजा बिछाया है। इससे मार्ग पर बारिश से होने वाला मिट्टी का कटान रुक गया है। प्रधान ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत स्थानीय महिलाओं से यह कार्य कराया गया है जिससे लोगों को राहत मिली है। वहीं, लोनिवि के ईई विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मार्ग पर लोनिवि द्वारा कुछ भाग को पक्का भी किया गया है।

### कांवड़ यात्रा को लेकर उत्तरकाशी पुलिस अलर्ट

उत्तरकाशी। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। यातायात पुलिस और कोतवाली उत्तरकाशी की संयुक्त टीम ने जनपद मुख्यालय स्थित कांवड़ मार्ग पर विशेष अभियान चलाकर सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे फैले दुकानों के सामान, रेहड़ी–ठेलियां और निर्माण सामग्री को हटवाकर यातायात के लिए मार्ग को व्यवस्थित कराया।

पुलिस का कहना है कि कांवड़ यात्रियों, शिवभक्तों और आम लोगों को भीड़भाड़ के दौरान सुरक्षित और निर्बाध आवागमन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत व्यापारियों और रेहड़ी–ठेली संचालकों को साफ निर्देश दिए गए कि वे दुकानों का सामान निर्धारित सीमा के भीतर रखें। पुलिस ने हिदायत दी कि सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। रेहड़ी–ठेलियां केवल चिन्हित और पर्याप्त स्थान वाले क्षेत्रों में ही संचालित करने को कहा गया। इसके साथ ही वाहन चालकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों का प्रयोग करने की हिदायत दी गई ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान जाम और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सके। पुलिस ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए मार्गों को खुला और व्यवस्थित रखा जाएगा। उत्तरकाशी पुलिस ने लोगों से आह्वान किया है कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने में प्रशासन का सहयोग करें और यातायात नियमों का पालन भी करें।

### आवासीय विद्यालयों में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएं : डीएम

उत्तरकाशी। जनपद के आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल और सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी कमियां सामने आएंगी, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

शिक्षा विभाग की योजनाओं एवं आवासीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विद्यालयों में शुद्ध पेयजल, निर्बाध बिजली, स्वच्छ छात्रावास, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन तथा सुरक्षा व्यवस्था हर हाल में सुचारू करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से विद्यालयों के शिक्षकों और छात्र–छात्राओं से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा और सुविधाओं से जुड़े किसी भी मामले में ढिलाई स्वीकार नहीं होगी। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अतुल आनंद मौजूद रहे।

### सीसीआरटी कार्यशाला में शिक्षकों ने बढ़ाया जिले का मान

चिन्यालीसौड़। संस्कृति मंत्रालय केंद्र सरकार की ओर से गुवाहाटी (असम) में आयोजित ओरिएंटेशन (बेसिक फाउंडेशन) कार्यशाला में उत्तरकाशी के शिक्षक जिले और उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं। 11 अगस्त तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षक उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं का प्रभावी परिचय देशभर से आए प्रतिभागियों को दे रहे हैं।

कार्यशाला में पीएम श्री राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज, चिन्यालीसौड़ के रमेश कोहली ग्रुप कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके साथ जीआईसी सौरा भटवाड़ी के विनोद कुमार गंगारी, खालसी चिन्यालीसौड़ के रविन्द्र शाह और पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज की शिक्षिका मनीषा सेमवाल उत्तरकाशी जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

# निबंध में निधि, नीन, व्योम, चित्रकला में हिमानी, अनुष्का, प्रियांशी ने मारी बाजी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हरेला सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विविध सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों का समापन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सप्ताह भर चले इस महोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, उत्तराखंड की लोक संस्कृति तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया गया।

समापन समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, उपप्रधानाचार्य अनिल कोटनाला, पर्यावरण विभाग प्रभारी साक्षी अग्रवाल एवं पूनम नेगी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया गया। समापन दिवस पर विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में जानकीनगर एवं बालासौड़ क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण,

प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। इस मौके पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में कक्षा सप्तम की निधि ने प्रथम, कक्षा सप्तम की गरिमा एवं कक्षा अष्टम के शौर्य ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा कक्षा सप्तम के नक्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में कक्षा द्वादश के नवीन एवं व्योम ने संयुक्त रूप से प्रथम, कक्षा दशम के वंश कुकरेती ने द्वितीय तथा कक्षा एकादश की वैष्णवी एवं सोनम ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में कक्षा अष्टम की हिमानी एवं अनुष्का ने संयुक्त रूप से प्रथम, आयुषी बड़ोला ने द्वितीय तथा कक्षा सप्तम की अध्या एवं निधि ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में कक्षा नवम की प्रियांशी प्रथम, पलक द्वितीय तथा कक्षा एकादश के आशुतोष तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में सिद्धि एवं आयुषी बड़ोला प्रथम, आराध्या मेहता एवं आराध्या बिष्ट द्वितीय तथा सरस एवं तृषा तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग में कक्षा नवम की अदिति प्रथम, आस्था एवं श्रेया द्वितीय तथा अनन्या एवं अपर्णा तृतीय स्थान पर रहीं। विद्यालय प्रतियोगिता विभाग प्रभारी रोहित बलोदी ने बताया कि सभी प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को आगामी मेधावी सम्मान समारोह में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर शिक्षक राहुल भाटिया, भूपेंद्र सिंह, शिवराम बड़ोला, राजन कुमार, मोहन सिंह, सुबोध ध्यानी, मधुबाला नौटियाल, संगीता रावत, संगीता कुकशाल, नंदिनी नैथानी, सरोज नेगी, प्रेम सिंह, सच्चिदानंद, मुकेश सुंदरियाल, सुरेंद्र राणा आदि मौजूद थे।

### यूकेडी ने स्थापना दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल का 48वां स्थापना दिवस शनिवार को शिब्बूनगर स्थित पार्टी कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पार्टी के दिवंगत नेताओं और उत्तराखंड राज्य आंदोलन के शहीद क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में अमर शहीद श्रीदेव सुमन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कहा कि श्रीदेव सुमन ने मात्र 28 वर्ष की आयु में देश और जनहित के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर इतिहास में अमिट स्थान बनाया नगर अध्यक्ष भारत मोहन काला की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने यूकेडी के इतिहास और राज्य निर्माण आंदोलन में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई 1979 को स्वर्गीय डीडी पंत की अध्यक्षता में उत्तराखंड क्रांति दल का गठन हुआ था। लंबे संघर्ष, आंदोलनों और जनभागीदारी के परिणाम स्वरूप 9 नवंबर 2000 को पृथक उत्तराखंड राज्य का गठन संभव हुआ, जिसमें यूकेडी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर महेंद्र सिंह रावत, प्रवेश चंद्र नवानी, सत्यप्रकाश भारद्वाज, हरीश चतुर्वेदी, जगदीपक रावत, रोहित डंडरियाल, सत्यपाल सिंह नेगी, उम्मेद सिंह भंडारी, संदीप पंवार, नरेश धस्माना आदि मौजूद थे।

## फैक्ट्री में मशीन की चपेट में आने से श्रमिक गंभीर घायल

### फैक्ट्री के सुपरवाइजर और प्रबंधन पर जबरन मशीन चलवाने का लगाया आरोप

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** भाबर के सिगड्डी ग्रोथ सेंटर स्थित एक फैक्ट्री में मशीन की चपेट में आने से एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल श्रमिक ने फैक्ट्री के सुपरवाइजर और प्रबंधन पर बिना प्रशिक्षण के जबरन मशीन चलवाने का आरोप लगाया। श्रमिक ने कलालघाटी पुलिस चौकी में तहरीर दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार उदयरामपुर नयाबाद निवासी उदित सिंह सिगड्डी ग्रोथ सेंटर स्थित एक फैक्ट्री में अकुशल श्रमिक के रूप में कार्यरत है। तहरीर के अनुसार, गुरूवार देर रात करीब 12 बजे फैक्ट्री के सुपरवाइजर और प्रबंधन ने उसे मशीन चलाने के लिए कहा। श्रमिक का कहना है कि उसे मशीन चलाने का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया था और उसने अपनी असमर्थता भी जताई थी। आरोप है कि इसके बावजूद उस पर मशीन चलाने का दबाव बनाया गया। इसी दौरान वह मशीन की चपेट में आ गया जिससे उसके हाथ और बांह में गंभीर चोटें आई। हादसे के बाद फैक्ट्री के कर्मचारी उसे तत्काल संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार ले गए जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

## छात्रा प्राची नेगी को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** एमकेवीएन सीनियर सेकेंड्री स्कूल कण्वघाटी की सातवीं की छात्रा प्राची नेगी की ओर से इंडियन टैलेंट ओलंपियाड प्रतियोगिता में बनाई गई चित्रकला को देशभर की हजारों उत्कृष्ट कलाकृतियों में चयनित कर सम्मानित किया गया है। प्राची की पेंटिंग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा गया है। इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा प्राची नेगी को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य सुनीता नैथानी ने बताया कि प्राची नेगी की यह उत्कृष्ट कृति देश के युवाओं की सृजनात्मक सोच, देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता के प्रतीक के रूप में प्रधानमंत्री को भेजी गई है। इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा प्राची नेगी को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए स्वर्ण पदक एवं प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि केवल प्राची नेगी के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण एमकेवीएन एजुकेशनल

ग्रुप तथा उसके माता-पिता के लिए भी अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है। प्राची की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्ति किया है। इस उपलब्धि पर एमकेवीएन एजुकेशनल ग्रुप के प्रबन्धक प्रकाश चन्द्र कोठारी, शिक्षा निदेशिका श्रीमती सिन्धु कोठारी ने प्राची नेगी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी 'भारतीय' ने अपने संदेश में सभी बच्चों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रशासनिक निदेशक विपिन जदली, प्रधानाचार्य सुनीता नैथानी, शान्ति गुंसाईं, पुष्पा केष्टवाल, नितिश कुमार, अतुल बडोला, पुष्कर कुमार, शेलैन्द्र सिंह, विवेक, रितु, आकृति लखेडा, हिमानी, उमंग शर्मा, सीमा पटवाल ने छात्रा की शुभकामनाएं दी।

# यात्री शेड पर हुआ कब्जा, बारिश में भीग रहे यात्री

**स्टेशन रोड स्थित यात्री शेड पर बना है रेहड़ी-ठेली का कब्जा**
**वर्षा काल में सड़क पर खड़े रहकर वाहनों का इंतजार कर रहे यात्री**

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही सरकारी सिस्टम शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि बाजार चौकी से चंद कदम की दूरी पर स्थित यात्री शेड में हुआ रेहड़ी-ठेली का कब्जा आज तक सिस्टम को नजर नहीं आया। नतीजा, यात्रियों को बीच सड़क पर खड़े होकर वाहनों का इंतजार करना पड़ रहा है। जबकि, वर्तमान में वर्षा का दौर भी चल रहा है। ऐसे में यात्री वर्षा से बचने के लिए आसपास की दुकानों के बाहर लगे तिरपालों का सहारा ले रहे हैं। कोटद्वार को गढ़वाल का द्वार कहा जाता है। यही कारण है कि यहां से मैदान व पहाड़ जाने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों यात्री पहुंचते हैं। लेकिन, इन यात्रियों के लिए बस स्टेशन में किसी भी तरह की व्यवस्था नजर नहीं आ रही। हालत यह है कि स्टेशन में आज भी यात्रियों को सिर ढकने के लिए एक शेड तक नहीं मिल पाया है। वर्षा व धूप से बचने के लिए यात्री दुकानों के आसपास बैठे रहते हैं। हालांकि, बस स्टेशन से कुछ दूर बाजार चौकी के समीप यात्रियों की सुविधा के लिए वर्ष 1976 में एक यात्री शेड का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, यह यात्री शेड भी रेहड़ी-ठेली वालों के अतिक्रमण की जद में है। अतिक्रमण के कारण सड़क पर घूमने वाले यात्रियों को यह यात्री शेड नजर नहीं आता। जबकि, यात्री शेड से सौ मीटर आगे बाजार पुलिस चौकी भी है। लेकिन, पुलिस ने भी कभी यात्री शेड को अतिक्रमण मुक्त करने की सुध नहीं ली। जबकि, स्थानीय लोग कई बार सरकारी सिस्टम में स्टेशन में बैंच निर्माण व यात्री शेड बनवाने की गुहार लगा चुके हैं।

### पानी को भी भटक रहे यात्री

कोटद्वार स्टेशन रोड पर यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है। नगर निगम ने शहर के मुख्य चौराहों पर पांच से आधिक वाटर कूलर लगाए लेकिन, उन्हें भी यात्रियों के लिए स्टेशन रोड पर वाटर कूलर लगाने की याद नहीं आई। नतीजा, यात्रियों को जेब ढीली कर दुकान से पानी की बोतल खरीदनी पड़ती है। यही नहीं स्टेशन में शौचालय की भी कोई बेहतर व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बच्चों व बुजुर्गों को होती है।

### खतरे में यात्री व कर्मचारी

रोडवेज डिपो का पुराना भवन पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुका है। हल्की वर्षा होते ही भवन की छत टपकने लगती है। ऐसे में यात्री व भवन में कार्य कर रहे कर्मचारियों के जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। वर्षाकाल में भवन ढहने से कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। हालांकि, पुराने भवन के समीप ही रोडवेज डिपो के नए भवन का निर्माण भी करवाया गया है। लेकिन, अब तक कार्यालयों को नए भवन में शिफ्ट नहीं किया गया है।

### रामलीला का ऑडिशन दो अगस्त को

श्रीनगर गढ़वाल : ऐतिहासिक आदर्श रामलीला के 130वें मंचन को लेकर आदर्श रामलीला समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलाकारों के चयन के लिए दो अगस्त (रविवार) सुबह 11 बजे रामलीला मैदान में ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष देवेंद्रमणि मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष रामलीला को और भव्य व आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए शहर के वरिष्ठजनों और नागरिकों के सुझाव भी लिए जा रहे हैं। ऑडिशन एक दिन में पूरा किया जाएगा। ऑडिशन में पार्श्व गायन, तबला, हारमोनियम, बांसुरी, ढोलक सहित अन्य वाद्य यंत्रों के कलाकारों का चयन होगा। महिला पात्रों के लिए महिला कलाकारों, पुरुष पात्रों के लिए पुरुष कलाकारों और नृत्य प्रस्तुतियों के लिए बच्चों का चयन किया जाएगा। समिति के अनुसार चयनित कलाकारों की रिहर्सल ऑडिशन के दो दिन बाद शुरू कर दी जाएगी। (एजेंसी)

## पिछले वित्तीय वर्ष का भुगतान लंबित होने से विकास कार्य प्रभावित

### बीडीसी बैठक में छाए रहे मनरेगा भुगतान

**जयन्त प्रतिनिधि।**

**पौड़ी :** क्षेत्र पंचायत बीरोंखाल की बैठक शनिवार को बीरबाला तीलू रौतेली सभागार में ब्लॉक प्रमुख नेहा नेगी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बिरगणा के ग्राम प्रधान कर्नल यशपाल नेगी (से.नि) ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष का करीब 1.77 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित होने से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बैठक में मनरेगा भुगतान में देरी, आपदा प्रभावितों को मुआवजा न मिलने, ग्राम प्रधानों को विश्वास में लिए बिना विकास कार्य कराए जाने और सड़क चौड़ीकरण के दौरान मलबा निर्धारित डंपिंग जोन के बजाय अन्य स्थानों पर फेंके जाने जैसे मुद्दे छाए रहे। एडीओ पंचायत राजेंद्र रावत ने बताया कि जिले से 50 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हो चुकी है, जिसे जल्द ग्राम सभाओं को आवंटित किया जाएगा। कुणजोली के ग्राम प्रधान मुकेश रावत समेत कई प्रधानों ने आरोप लगाया कि उनकी ग्राम सभाओं में बाहरी ठेकेदार बिना सूचना दिए निर्माण कार्य करा रहे हैं। लोनिवि और पीएमजीएसवाई की समीक्षा में पोखड़ा-उफरैंखाल सड़क चौड़ीकरण के दौरान मलबा गलत स्थानों पर फेंके जाने की शिकायत सामने आई। बैठक में उपजिलाधिकारी कृष्णा तिवारी, विधायक प्रतिनिधि दर्शन रिंगोड़ा, कनिष्ठ प्रमुख विनीता देवी, ज्येष्ठ प्रमुख कुलदीप नेगी मौजूद रहे।

## ईटीसी के पास बदहाल सड़क, आवाजाही में परेशानी

**जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी :** जिला मुख्यालय में पौड़ी-कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर ईटीसी के पास बदहाल सड़क पर एक बार फिर चलना मुश्किल हो गया है। बारिश के कारण सड़क पर कई जगह गड्ढे बन गए हैं और मार्ग संकरा होता जा रहा है। इससे आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीते वर्ष बारिश के दौरान ईटीसी के समीप करीब 20 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद लोगों ने डीएम के जनता मिलन कार्यक्रम में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर विभाग ने क्षतिग्रस्त हिस्से में मिट्टी डालकर मार्ग को समतल किया था। हालांकि, हाल की बारिश के बाद सड़क फिर से बदहाल हो गई है और कई स्थानों पर गड्ढे बन गए हैं। संकरे होते मार्ग के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति भी बन रही है। स्थानीय निवासी केदार सिंह गुसाईं और अनूप रावत ने बताया कि करीब 10 दिन पहले राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने सड़क सुधारीकरण का कार्य शुरू किया था, लेकिन इसे अधूरा छोड़ दिया गया। उन्होंने जिला प्रशासन से मार्ग को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है। वहीं, एनएच के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि सड़क पर पुश्ता लगाने का कार्य एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा, जबकि पेंटिंग का कार्य सितंबर तक किया जाएगा।

# अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता

हैकर कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं/ आपूर्तिकर्ताओं की सूची को डार्क वेब पर डाल दिया गया है। डेटा चोरी की ताजा घटना ने भारत की साइबर सुरक्षा से संबंधित कमजोरियों को फिर उजागर किया है। न्यूक्लीयर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का दावा है कि लीक डेटा परमाणु सुरक्षा प्रणाली से संबंधित नहीं है। बहरहाल, इसे मान भी लिया जाए, तब भी इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हैकर भारतीय परमाणु कार्यक्रम से संबंधित अति संवेदनशील डेटा चुराने में सफल हो गए। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में कंट्रोल, कूलिंग, और वेंटिलेशन के इंजीनियरिंग ब्लू प्रिंट; तथा विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं की सूची को 'वर्ल्ड लीक्सइ्र नामक रैनसमवेयर ने चुरा लिया। इस डेटा के संचालन का ठेका 2018 में अनिल अंबानी की कंपनी को दिया गया था। इसके पहले 'वर्ल्ड लीक्सइ्र ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी से डेटा चुराकर उसे डार्क वेब पर डाल दिया था। बताया जाता है कि दोनों घटनाओं को मिलाकर लगभग 10 लाख से अधिक संवेदनशील फाइलें लीक हुई हैं। स्पष्टतः यह केवल दो निजी कंपनियों की सुरक्षा में चूक का मामला नहीं है। बल्कि यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भू–राजनीतिक साख, और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार है। कुडनकुलम परमाणु संयंत्र की मुख्य रिएक्टर प्रणाली भले सुरक्षित हो, लेकिन थर्ड पार्टी के सर्वर से संयंत्र की आंतरिक संवेदनशील संरचना का डार्क वेब पर पहुंच जाना दर्शाता है कि हमारी रणनीतिक सुरक्षा की कड़ियां कितनी कमजोर हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित घटना भारतीय कॉरपोरेट जगत की आर्थिक और तकनीकी साख से संबंधित है। ये कंपनी एप्पल, टेस्ला, और क्वालकॉम जैसी वैश्विक कंपनियों के व्यावसायिक डेटा को संभालती है। इनका 630 जीबी डेटा डार्क वेब के जरिए अब उनकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों को उपलब्ध है। जाहिर है, इससे भारत की विश्वसनीयता को गहरा धक्का लगा है। भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खास डेटा अगर सुरक्षित नहीं है, तो विदेशी निवेश लाने और तकनीकी हस्तांतरण की भारत की कोशिशों का सफल होना संदिग्ध बना रहेगा। इन घटनाओं ने साइबर कानूनों का सख्त अनुपालन कराने की भारत की क्षमता को कठघरे में ला खड़ा किया है। अतः सरकार और उद्योग जगत को इसे महज 'डेटा ब्रीच मानना बंद करना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए अब युद्धस्तरीय तैयारी की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

## व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथ है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

# जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

# 27वें कारगिल विजय दिवसःहिमालय की चोटियों पर लिखा गया भारत की विजय का स्वर्णिम अध्याय

योगेश कुमार गोयल

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी...

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्ल की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्ल की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्यये दिल मांगे मोरह्ल तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

# बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

नीरज कुमार दुबे

**दरअसल, रवनीत सिंह बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है।**

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ₹डबल इंजन सरकार₹ बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए।

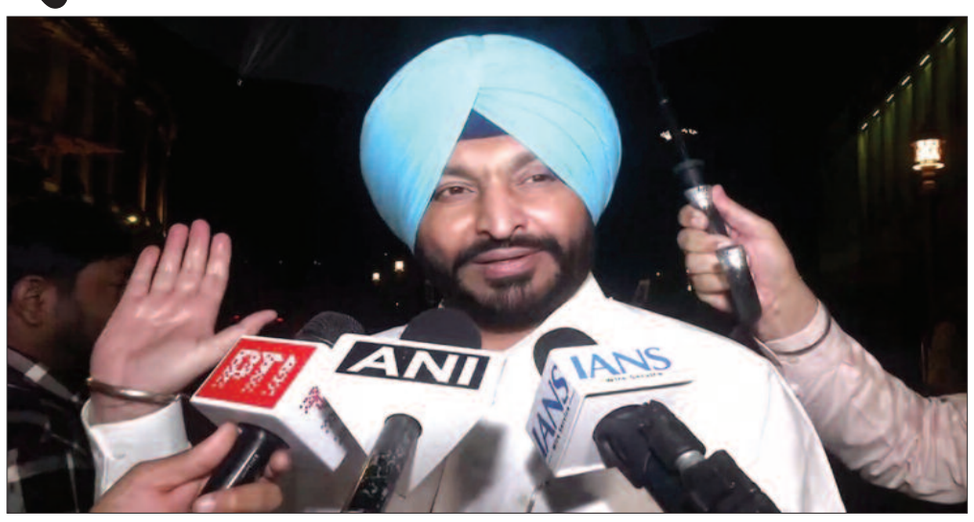


राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और 'अकाली दल' तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है।

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है।

हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है।

फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।

# 9.09 करोड़ की रॉयल्टी माफ करने का प्रस्ताव कैबिनेट में लाने की मांग

## गढ़वाल विवि के शिष्ट मंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की मुलाकात

**जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल** : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय पर जिला प्रशासन टिहरी द्वारा लगाए गए 9.90 करोड़ के रॉयल्टी एवं अर्थदंड को निरस्त किए जाने को लेकर विश्वविद्यालय का एक उच्च स्तरीय शिष्ट मंडल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिला।

शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री को पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए जनहित एवं विश्वविद्यालय हित में इस राशि को पूर्णतः माफ करने का अनुरोध किया। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि प्रारंभ में इस प्रकरण में 1.90 करोड़ की रॉयल्टी निर्धारित की गई थी, जिसे बाद में पांच गुना बढ़ाकर अर्थदंड सहित 9.90 करोड़ कर दिया गया। शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि जिस स्थान पर रेलवे सुरंगों से निकले मलबे का भराव किया गया, वह पूरी तरह जनहित का कार्य था। वर्तमान में इसी समतल क्षेत्र के ऊपर से कई गांवों को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण किया

जा रहा है। ऐसे में इस कार्य से विश्वविद्यालय को किसी प्रकार का व्यावसायिक लाभ नहीं हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान अलकनंदा नदी के भीषण कटाव से श्रीनगर-चैरास क्षेत्र को जोड़ने वाला मार्ग तथा विश्वविद्यालय का खेल मैदान क्षतिग्रस्त हो गया था। क्षेत्र की सुरक्षा, तटबंधों की मजबूती और आवागमन बहाल करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) की ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों से निकले मलबे का उपयोग कटावग्रस्त क्षेत्र के पुनर्भरण में कराया था। यह कार्य पूरी तरह सार्वजनिक हित और आपदा पुनर्वास से जुड़ा था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्यमंत्री को यह भी स्मरण कराया कि इससे पूर्व एक छात्र कार्यक्रम में उन्होंने इस मामले को सकारात्मक रूप से लेते हुए कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर राहत दिलाने का आश्वासन दिया था। प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि आगामी कैबिनेट बैठक में इस विषय को शामिल कर विश्वविद्यालय पर लगाए गए 9.90 करोड़ के रॉयल्टी एवं अर्थदंड को पूर्णतः माफ किया जाए।

# मदेश्वर महाराज के दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नौगांव (उत्तरकाशी)। सुनारा गांव में आयोजित मेले में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर आराध्य देव मदेश्वर महाराज के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। दो दिन पहले गांव के आराध्य देव मदेश्वर महाराज की देव डोली कोटियाल गांव स्थित मंदिर के गर्भगृह से बाहर निकली और सुनारा गांव पहुंची। सुनारा में पांडवों की चौंरी और पंचायत चौक पर ग्रामीणों ने फूलों की वर्षा कर देव डोली का भव्य स्वागत किया। क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश्वर लाल ने गांव के सामुदायिक विकास कार्यों के लिए विधायक निधि एवं जिला योजना से 10 लाख रुपये उपलब्ध कराने की घोषणा की। साथ ही जट्टा-सुनारा-कोटियालगांव मोटर मार्ग के निर्माण को स्वीकृति दिलाने का आश्वासन भी दिया। ग्रामीणों ने भगवान भोले शंकर के शक्ति स्वरूप माने जाने वाले मदेश्वर महाराज को भोग के रूप में आटे का हलवा, पूरी और पंचगव्य अर्पित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी, ग्राम प्रधान धीरेन्द्र राणा, ई. मनोज रावत, कमला राणा, राहुल नौटियाल, सोबेन्द्र सिंह, रमेश चंद, कृपाल सिंह, मनोज कुमार मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### अल्मोड़ा-नैनीताल हाईवे पर पेयजल सुविधाओं का होगा सुधार

कर्णप्रयाग। जल संस्थान अल्मोड़ा और नैनीताल हाईवे पर बनी सार्वजनिक टंकियों, स्टैंड पोस्ट और हैंडपंपों की साफ-सफाई, स्रोत सुधार, पाइप लाइन बिछाने और मरम्मत का कार्य करेगा। इसके लिए विभाग ने निविदा जारी कर दी है।

सिमली-अल्मोड़ा हाईवे पर ग्वालदम से कर्णप्रयाग और पांडुवाखाल से कर्णप्रयाग तक बनी पेयजल टंकियों व स्टैंड पोस्टों का सुधारीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही टंकियों पर रंगरोगन, नई पेयजल लाइनों का निर्माण और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त टंकियां व स्टैंड पोस्ट बनाए जाएंगे, ताकि स्थानीय लोगों और चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ व जीवाणुरहित पानी मिल सके। जल संस्थान के सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित ने बताया कि टंकियों और स्टैंड पोस्टों का समय-समय पर सुधार किया जाता है। पूर्व में कमेड़ा से नंदप्रयाग तक यह कार्य पूरा हो चुका है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही अन्य क्षेत्रों में काम शुरू किया जाएगा।

### नौटी उपडाकघर में आधार शिविर सोमवार को भी लगेगा

नंदासैंण। लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए नौटी उपडाकघर में शनिवार को समाप्त होने वाला तीन दिवसीय आधार कार्ड शिविर अब सोमवार तक जारी रहेगा। शिविर में नए आधार कार्ड बनवाने, संशोधन, मोबाइल नंबर लिंक और अपडेट समेत अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उप डाकपाल हिमांशु नेगी ने बताया कि दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन भीड़ के कारण कई लोग आधार संबंधी कार्य नहीं करा पाए। अब तक शिविर में करीब 152 आधार सेवाएं दी जा चुकी हैं। स्थानीय निवासी सुभाष रावत ने शिविर को दो-तीन दिन और बढ़ाने की मांग की है। शिविर में डाकसेवक राहुल, आधार ऑपरेटर काजोल और असलम अली सहयोग कर रहे हैं।

### ब्रह्मकल की खुशबू से महक रहा हेमकुंड साहिब मार्ग

ज्योतिर्मठ। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग इन दिनों ब्रह्मकमल के फूलों से महक रहा है। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह यह फूल खिले दिखाई दे रहे हैं। फूलों की खुशबू और उनकी सुंदरता को देखकर श्रद्धालु भी मोहित हो रहे हैं। राज्य पुष्प ब्रह्मकमल 13 हजार फीट की ऊंचाई पर खिलता है। हेमकुंड साहिब करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। ऐसे में हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर अटलाकोटी से ही ब्रह्मकमल दिखाई देने शुरू हो रहे हैं। पूरा यात्रा मार्ग इन फूलों की खुशबू से महक रहा है। अभी यह फूल खिलने शुरू हुए हैं और अगस्त अंतिम सप्ताह तक काफी तादाद में खिलते रहेंगे। स्थानीय निवासी मयंक चौहान ने बताया कि हेमकुंड साहिब के यात्रा मार्ग से लेकर हिम सरोवर के किनारे ब्रह्मकमल अपनी अदभुत प्राकृतिक सुंदरता को बिखेर रहे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालु इन फूलों को देखकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। बताया कि यह समय ब्रह्मकमल खिलने का सबसे मुफीद समय है।

### गोपेश्वर जिला अस्पताल में बढ़ी विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी

गोपेश्वर। चमोली के जिला अस्पताल गोपेश्वर में एक माह के भीतर बाल रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन और नेत्र रोग विशेषज्ञ के जाने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगी हैं। बाल रोग विशेषज्ञ का बॉन्ड पूरा होने, ईएनटी सर्जन का कांट्रेक्ट समाप्त होने और नेत्र रोग विशेषज्ञ के देहरादून तबादले के कारण अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी गहरा गई है। इससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों, खासकर बच्चों को इलाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में पहले अधिकांश चिकित्सकों के पद भरे हुए थे, लेकिन अब स्थिति फिर पुरानी होने लगी है। बाल रोग विशेषज्ञ के न होने से बच्चों का उपचार अन्य चिकित्सकों के भरोसे हो रहा है। ईएनटी सर्जन के जाने के बाद अस्पताल में एक अन्य ईएनटी चिकित्सक हैं, लेकिन वे फिलहाल मातृत्व अवकाश पर हैं। वहीं, नेत्र रोग विशेषज्ञ को एक-दो दिन में रिलीव किया जाना है। जिला अस्पताल में दशोली, पोखरी, ज्योतिर्मठ और नंदानगर विकासखंडों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण अस्पताल प्रशासन कामचलाऊ व्यवस्था से सेवाएं संचालित कर रहा है,

# एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर उफनाई नदी पार कर रहे हैं ग्रामीण

नौगांव (उत्तरकाशी)। आपदा के तीन साल बाद भी तलड़ा गांव को जोड़ने वाली कमल नदी की आरसीसी पुलिया का पुनर्निर्माण नहीं हो पाया है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीण आज भी जान जोखिम में डालकर मानव श्रृंखला बनाकर उफनती नदी पार कर गांव पहुंचने को मजबूर हैं। बरसात में आए दिन हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव तक पहुंचने का यही एकमात्र रास्ता है। हर वर्ष वे अपने स्तर पर अस्थायी पुलिया बनाते हैं लेकिन बरसात शुरू होते ही तेज बहाव में वह बह जाती है। इस साल भी अस्थायी पुलिया बह चुकी है जिसके बाद बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों तक को एक-दूसरे का हाथ पकड़कर मानव श्रृंखला बनाकर नदी पार करनी पड़ रही है। पुलिया नहीं होने से टमाटर, फ्रेंचबीन और शिमला मिर्च जैसी नगदी फसलें भी समय पर मंडी नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एडवोकेट सचिन कुमार ने कहा कि ग्रामीण नई सड़क नहीं बल्कि आपदा में बह चुकी आरसीसी पुलिया का पुनर्निर्माण चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर पुरोला मोटर मार्ग पर धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम किया जाएगा। साथ ही विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को इसका राजनीतिक जवाब देने की बात भी कही।

### शैल बसंतपुर प्राथमिक विद्यालय के भवन का भेजा प्रस्ताव

गौचर। नगर पालिका के प्राथमिक विद्यालय शैल बसंतपुर के भवन निर्माण की उम्मीद जगी है। विद्यालय भवन निर्माण का प्रस्ताव विभागीय स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है। यह विद्यालय पिछले 16 वर्षों से बिना भवन के संचालित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय शैल की स्थापना 70 के दशक में हुई थी, जहां शैल गांव और बसंतपुर की अनुसूचित जाति बस्ती के बच्चे पढ़ते थे। वर्ष 2010 में भवन जर्जर होने और शैल गांव में बच्चों की संख्या कम होने के कारण विद्यालय को बसंतपुर तोक स्थित नगर पालिका के मिलन केंद्र में शिफ्ट कर दिया गया था। वर्तमान में विद्यालय में आठ बच्चे अध्ययनरत हैं। शिक्षक सुशील राज ने बताया कि सीमित कक्ष में अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाने में परेशानी हो रही है। विद्यालय भवन के लिए भूमि चिह्नित कर सभी दस्तावेज तैयार कर विभाग को भेज दिए गए हैं।

# ग्रामीणों ने दूरस्थ खेतों में फसल की बुवाई ही छोड़ी

नौगांव (उत्तरकाशी)। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही लावारिस पशुओं की संख्या अब किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। खेतों में खड़ी फसल और घास को नुकसान पहुंचने से कई ग्रामीणों ने गांव से दूर स्थित तोकों में खेती करना ही बंद कर दिया है।

पशुपालन विभाग पर भी सवाल उठ रहे हैं कि टैग लगे पशुओं की पहचान कर जिम्मेदार पशुपालकों के खिलाफ कभी प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई जिससे आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई गांवों में महिला मंगल दल अपने क्षेत्र की फसलों को बचाने के लिए पशुओं को खदेड़ रहे हैं, लेकिन वे दूसरे गांवों में पहुंचकर नुकसान पहुंचा रहे हैं। बजलाड़ी गांव के जयेंद्र सिंह राणा का कहना है कि आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से पशुपालन विभाग की जवाबदेही तय करने, पशुपालकों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाने और पशु छोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

# स्वास्थ्य शिविर में 110 लोगों ने कराई जांच

पोखरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी में शनिवार को तीन दिवसीय विशेषज्ञ चिकित्सा जांच शिविर शुरू हो गया। पहले दिन शिविर में 110 लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी जांच कराई सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता के निर्देशन में आयोजित शिविर में 44 पुरुष और 66 महिलाओं ने जांच कराई। इसमें 10 लोगों ने रक्तचाप, 23 ने शूगर 51 महिलाओं ने स्तन कैंसर और 10 ने सर्वाइकल कैंसर की स्क्रिनिंग कराई। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी विभिन्न रोगों की जांच की। कई लोगों ने खून की जांच भी कराई। इस दौरान शिविर प्रभारी डॉ. वैष्णव कृष्णा, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रियम गुप्ता सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

# विकास योजनाओं के लिए मिली 62 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 62 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य सैक्टर के अन्तर्गत देहरादून नगर के टपकेश्वर महादेव गढ़ी डाकरा कैंट में 08 एमएलडी के सीवर शोधन संयंत्र के निर्माण हेतु भूमि क्रय की लागत 6.62 करोड़ तथा उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत नाबार्ड वित्त पोषित 21 योजनाओं हेतु कुल लागत 41.37 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा कुम्भ मेला 2027 के अन्तर्गत बल्ली बैरिकेटिंग चकव्यूह बैरियर तथा अस्थाई फायर वॉच टावर आदि हेतु 5.46 करोड़ तथा 08 अस्थाई रैन बसेरों आदि का कार्य हेतु 6.85 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अल्मोडा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट में विकासखण्ड द्वाराहाट के अन्तर्गत ग्राम सभा सकुनी से सुकेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार का अवशेष कार्य पूर्ण किये जाने हेतु 124.73 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 74.83 लाख, विधानसभा क्षेत्र अल्मोडा के सेराघाट में माँ मंगला भगवती माता मंदिर परिसर में धर्मशाला का निर्माण किये जाने हेतु 72.83 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 43.69 लाख तथा विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के विकासखण्ड मूनाकोट के ग्राम पंचायत भौडी के अन्तर्गत बुद्धेश्वर मंदिर में सौन्दर्यीकरण एवं दिवाल तथा धर्मशाला का निर्माण किये जाने हेतु 22.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद उधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र किच्छा के ग्राम दरूऊ में डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क एवं तालाब का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 25.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदान की भूतपूर्व सैनिकों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के भुगतान हेतु 36.84 लाख की वित्तीय स्वीकृति। मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड के भूतपूर्व सैनिकों के इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं पी.एच.डी. की शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के भुगतान हेतु पूर्व की भांति कारगिल शहीद परिवार मुख्यमंत्री सहायता कोष से 36.84 लाख की धनराशि आवंटित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्यान्तर्गत जनपद चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ, चम्पावत एवं उधमसिंहनगर में स्थित प्रत्येक वाईब्रेट विलेज के अर्न्तगत कानून एवं सुरक्षा सम्बंधी समस्याओं, दस्तावेज सत्यापन, चरित्र प्रमाण पत्र, साइबर जागरूकता एवं पुलिस विभाग से जुडी अन्य शिकायतों के समाधान हेतु ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किये जाने के लिए वाईब्रेट विलेज में थाना दिवस तथा रात्रि चौपाल जैसे कार्यक्रम संचालित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

# देवाल में दो दिन से तीन मोटर मार्ग बंद

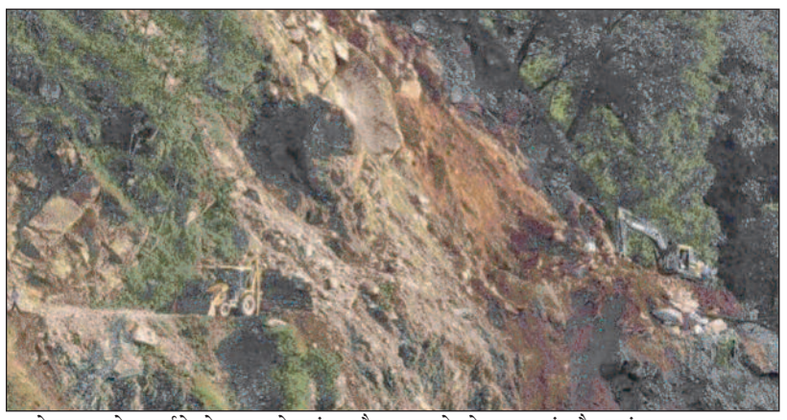

देवाल। स्टेट हाईवे देवाल-लोहाजंग और देवाल-खेता मानमती मोटर मार्ग दूसरे दिन भी नहीं खुल पाए हैं। इन सड़कों के बंद होने से 50 से अधिक वाहन फंसे हैं, 20 से अधिक गांवों का संपर्क कटा हुआ है। स्टेट हाईवे देवाल-लोहाजंग सड़क शनिवार रात से गमलीगाड़ में मलबे के कारण बंद है, यहां दलदल बना हुआ है। देवाल-खेता मानमती मोटर मार्ग भी दो दिन से सुयालकोट में बंद है। यहां करीब 250 मीटर में भूस्खलन से पत्थर गिर रहे हैं जिससे मलबा हटाने का काम बाधित है। कुनारबैंड-घेस मोटर मार्ग भी जनगौल में मलबे के कारण यातायात के लिए बंद है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि बंद सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सुयालकोट में काम बाधित है, लेकिन सभी मार्ग शीघ्र खोल दिए जाएंगे।

### थराली-डुंग्री मोटर मार्ग के सुधारीकरण की मांग

थराली। सोल विकास संघर्ष समिति ने थराली-डुंग्री मोटर मार्ग के शीघ्र सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग की है। समिति के जनप्रतिनिधियों ने उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कोटडीप से डुंग्री-रूईसाण और डुंग्री से बुरसोल, बूंगा, गेरूड़ तक का 25 किलोमीटर लंबा मार्ग बदहाल है। पीएमजीएसवाई के अधीन यह सड़क बीते साल की आपदा में कई जगह क्षतिग्रस्त हो गया था।

# एक माह पहले गांव पहुंची सड़क, फिर भी चल रहे हैं पैदल

देवाल। पांच साल बाद एक माह पूर्व विकासखंड के बलाण गांव तक सड़क तो पहुंची लेकिन सड़क पहुंचने के बाद भी इन दिनों ग्रामीणों को करीब पौन किमी पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। इसका कारण है गांव के पास घटगदेरे में मोटर पुल का निर्माण नहीं होना। हालांकि इस मोटर पुल की स्वीकृति चार साल पहले मिल चुकी है।

बलाण गांव के लिए पीएमजीएसवाई ने पांच साल पहले करीब 11 किमी सड़क का निर्माण किया लेकिन यह सड़क गांव तक नहीं पहुंच सकी। करीब दो किमी पीछे रही सड़क को गांव तक पहुंचाने के लिए विभाग ने एक माह पहले 2 किलोमीटर दो सौ मीटर लिंक रोड बनाई। इस लिंक रोड के घटगदेरे में मोटर पुल बनना है। 2022 में मोटर पुल के टेंडर भी हो चुके हैं। 24 मीटर स्पॉन के मोटर पुल बनाने के लिए करीब ढाई करोड़ स्वीकृत है। ब्रिज एंड रूफ संस्था को निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन सड़क नहीं बनने से चार साल पहले स्वीकृत मोटर पुल का निर्माण नहीं हो पाया। गांव के पूर्व उप प्रधान वीरेंद्र कुमार व बीडीसी मेंबर प्रदीप दानू ने बताया कि गदेरे का जल स्तर बढ़ने से लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं।

# सत्यप्रकाश थपलियाल : एक विनम्र श्रद्धांजलि

## गढ़वाल के निर्बलों की उम्मीद का एक द्वार बंद हो गया

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार** : शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सत्य प्रकाश थपलियाल की लंबी बीमारी के बाद बैकुंठ धाम की यात्रा पर चले गए। 24 जुलाई 2026 को रात साढ़े दस बजे सफदरजंग हॉस्पिटल में उपचार के दौरान हृदयगति अवरोध के कारण उनका निधन हो गया। शनिवार, 25 जुलाई को सोशल मीडिया में उनके निधन का दुर्भाग्यपूर्ण समाचार पढ़ने में आया। उनके साथ बिताए पल एक फिल्मी रील की तरह चलती दिखाई दिए। वे काफी समय से अपनी संस्कारी बेटी चन्द्रिका जोशी और दामाद (भारत सरकार में वरिष्ठ वैज्ञानिक) आर.के. जोशी के पास दिल्ली में स्वास्थ्य लाभ के लिए ठहरे हुए थे। मैं दो बार उनका हाल जानने के लिए आर.के. जोशी के आवास पर गया था। पिछले तीन माह से उनसे बात नहीं हो पा रही थी। सत्य प्रकाश थपलियाल के बिना आज कोटद्वार मौन है। कोटद्वार के वर्तमान समाज में वे सर्वाधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों में प्रतिनिधि थे। वे उन लोगों के सहारा और उम्मीद थे, जिनका कोई नहीं था। उत्तराखंड साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच के वे संस्थापक थे। इस मंच के माध्यम से साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियां तो आयोजित होती ही थी, इनके अलावा वे गरीब और अनाथ बच्चों के लिए आर्थिक सहायता भी देते थे। इस सहायता में वे अनेक आर्थिक सम्पन्न लोगों का सहयोग लेते थे। एक साल में सौ से अधिक बच्चों के आर्थिक संबल के लिए वे सहायता जुटाते थे। सत्य प्रकाश थपलियाल सन 2005 से 2019 तक श्री ज्वालपा देवी मंदिर समिति द्वारा संचालित ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय के प्रबंधक रहे। एक बार जब मैंने उनसे जानने की कोशिश की कि ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय में बच्चों के लिए उन्होंने निःशुल्क भोजन व्यवस्था कैसे शुरू की, बड़े आग्रह के बाद बताने को तैयार हुए। उन्होंने बताया कि एक बार वे सपत्नीक ज्वालपा धाम गए हुए थे। संभवतः ये बात सितंबर 2011 की थी। अध्यापक एक छोटे से बच्चे (विद्यार्थी) को डांट रहा था। तुमने भोजनालय का शुल्क जमा नहीं किया मैं तुम्हें विद्यालय से निकाल दूंगा। वापसी में थपलियाल जी की धर्मपत्नी कृष्णा जी (जो स्वयं अध्यापिका थी) ने उन्हें खरी खोटी सुना दी। कैसे प्रबंधक हो आप, एक गरीब बच्चे को डांटते हुए सुनते रहे, कोटद्वार पहुंचते ही उन्होंने जौनपुर के एम.पी. थपलियाल को बुलाया और पूरा घटनाक्रम सुनाया। एम.पी. थपलियाल ने स्याए 20,000 का चेक सत्यप्रकाश थपलियाल को सौंपा। चेक बैंक खाते में जमा हुआ और उन्होंने कहा कि अब कोई विद्यार्थी भोजनालय शुल्क नहीं देगा। यह राशि 2 माह चल पायी। अब समस्या अगले महीने की थी। उन्होंने पचास हजार रूपए अपने बैंक से निकाले और समिति को दे दिए। इस बीच माता मंगला जी से कोटद्वार में उनका संपर्क हुआ अगले माह (संभवतः फरवरी 2012) ज्वालपा धाम में माता मंगला जी के हंस फाउंडेशन की ओर से बड़ा आयोजन किया गया, जिसमें 3000 से अधिक कम्बल, स्वेटर आदि जरूरत मंदों को बांटे गए। सत्यप्रकाश ने श्री ज्वालपा देवी मंदिर समिति के भोजनालय की दास्तां कह दी। उसी दिन से ज्वालपा धाम संस्कृत विद्यालय के छात्रों की सुव्यवस्थित भोजन व्यवस्था शुरू हुई जो आज तक चल रही है। हंस फाउंडेशन के सहयोग से मंदिर तक छायापथ का निर्माण में भी सत्यप्रकाश जी की भूमिका रही। ग्वाड़ी गढ़वाल में कल्जीखाल ब्लॉक के अंतर्गत चिलौली गांव में 1936 में सत्यप्रकाश थपलियाल का जन्म हुआ था। (सरकारी रिकॉर्ड में 3 मई 1940) उनके पिता ह्वविश्वदर्शनह्व पुस्तक के लेखक महात्मा रामरत्न थपलियाल थे। उनकी पत्नी का निधन पहले ही हो चुका है। उनके पुत्र विवेक थपलियाल और उनका सहायक रवि डबराल सदैव सेवा में रहे। सत्यप्रकाश जी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अध्यापक के रूप में बहुत ख्याति अर्जित की थी। वे 1972 में राजकीय सेवा में शिक्षक के रूप में आए और 1998 में सेवा निवृत्त हुए। प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्ति के बाद वे पूर्ण रूप से जनसेवा में लग गए। सत्यप्रकाश जी स्वामी विवेकानंद, डॉ. राधाकृष्णन, विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण के जीवन से प्रभावित थे। इसलिए सेवा ही मानव धर्म है को उन्होंने अपना ध्येय बनाया। सत्यप्रकाश थपलियाल का पार्थिव शरीर परिजनों और उनके चाहने वालों के अंतिम दर्शनों के लिए कोटद्वार ले जाया गया है। पार्थिव देह कोटद्वार में पहुंचते ही शोकमग्न कोटद्वार में सिसकते स्वर और आंखों से अश्रु धारा ही पूरे शहर के भाव व्यक्त कर रही थी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जुलाई को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सच में उनके निधन से निर्बल लोगों की उम्मीदों का एक दरवाजा आज बंद हो गया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को वैकुण्ठ लोक में स्थान दें। ॐ शांति। शांति। शांति। नमन।।

**बड़े गौर से सुन रहा था जमाना**
**तुम्ही सो गए दास्तॉं कहते कहते।।**
**पार्थसारथि थपलियाल।**

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

# राष्ट्रपति मुर्मु की रोमानिया यात्रा से बदले समीकरण: AI से ग्रीन एनर्जी तक साथ चलेंगे दोनों देश, सहयोग पर फोकस

**बुखारेस्ट, एजेंसी।** भारत और रोमानिया ने गुरुवार को आर्थिक सहयोग को अपनी द्विपक्षीय साझेदारी का अहम स्तंभ बताते हुए अगले तीन वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। साथ ही दोनों देशों ने फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह घोषणा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की रोमानिया यात्रा के दौरान हुई, जो पिछले तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक यात्रा है।

**क्या कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने :** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति से जुड़े तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से अधिक पुरानी मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और मजबूत जन-से-जन संबंधों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमारी साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और अब यह अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों, गहरे सहयोग और साझा भविष्य की नई दिशा में आगे बढ़ रही है।

**आर्थिक सहयोग को लेकर क्या बनी सहमति :** राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। दोनों देश व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करेंगे और दोनों देशों के उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले तीन



वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है।

**किन-किन क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग :** राष्ट्रपति ने बताया कि भारत और रोमानिया ने विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), दवा उद्योग, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कृषि उत्पादन, उर्वरक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाकर इस सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा।

**रक्षा क्षेत्र में क्या हुआ फैसला :** राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि रक्षा सहयोग भी भारत-रोमानिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने नियमित आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।

**आईटीईसी और एआई प्रशिक्षण को लेकर क्या घोषणा हुई :** उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने रोमानिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा संस्थान ने रोमानियाई राजनयिकों को आगामी पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिसमें एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

**अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस सहयोग पर बनी सहमति :** राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के तहत जारी सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने यह भी कहा कि रोमानिया ने आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस से जुड़ने की इच्छा जताई है, जिसका भारत ने स्वागत किया है।

**2028 को लेकर क्या खास घोषणा हुई :** राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने पर सहमति जताई है।

**वैश्विक मुद्दों पर क्या चर्चा हुई :** दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई ताकि वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

**राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया को क्या संदेश दिया :** राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया सरकार और वहां के लोगों द्वारा मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान का नई दिल्ली में स्वागत करने की उम्मीद करती हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के बीच सार्थक और व्यापक बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बुखारेस्ट स्थित कोट्रोचेनी पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसी अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल तथा बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ (चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज़) की स्थापना से जुड़े तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

# बांग्लादेश खसरा प्रकोप का कहर, दो बच्चों की मौत के बाद मरने वालों का आंकड़ा 805 पहुंचा



**ढाका, एजेंसी।** स्वास्थ्य कारणों के चलते बांग्लादेश खसरा प्रकोप ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है। गुरुवार को इस जानलेवा बीमारी के लक्षणों वाले दो और बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई। इन नई मौतों के साथ ही इस भयंकर बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 805 तक पहुंच गई है। पूरे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के अनुसार पिछले 24 घंटों में ये दोनों नई मौतें दर्ज की गई हैं। समाचार एजेंसी यूएनबी के मुताबिक इन दोनों मौतों को फिलहाल संदिग्ध खसरे से हुई मौत ही माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार खसरे से पक्के तौर पर हुई मौतों की संख्या 95 है, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा 710 हो गया है। इस बड़े स्वास्थ्य संकट को देखकर अधिकारियों और सरकार की चिंता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

**संक्रमण के नए डराने वाले आंकड़े :** डीजीएचएस ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में खसरे के 848 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 15 मार्च से अब तक दर्ज किए गए संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,21,200 हो गई है। इसी दौरान खसरे के 166 नए पुष्टि किए गए मामले भी सामने आए, जिससे कुल पुष्टि मामले 15,007 हो गए। खसरे से हर दिन औसतन लगभग चार बच्चों की मौत हो रही है और 800 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है।

जुलाई के पहले तीन हफ्तों में भी इस जानलेवा बीमारी से हालात बहुत ही ज्यादा गंभीर बने हुए थे। डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान हर दिन औसतन 1,005 संदिग्ध और पुष्टि किए गए मामले सामने आए। औसतन 821 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग चार लोगों की हर दिन दुखद मौत हुई। सरकार का कहना है कि उसने अपना आपातकालीन खसरा टीकाकरण अभियान का बड़ा लक्ष्य पूरा कर लिया है। नेशनल वेरिफिकेशन कमेटी के अध्यक्ष महमूदुर रहमान ने कहा है कि हालात में कुछ सुधार जरूर हुआ है।

## संक्षिप्त समाचार

### चेक गणराज्य में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश, 5 सैनिक थे सवार ; एक की मौत की खबर

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गुरुवार को सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में 5 सैनिक सवार थे। चेक सेना ने बताया कि हादसा नामेस्ट नाद ओस्लावोउ स्थित सैन्य अड्डे पर हुआ। हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। समाचार एजेंसी सीटीके के मुताबिक, हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर यूएच-1वाई वेनम था। यह बेल टेक्सट्रॉन द्वारा निर्मित बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर है, जिसमें जनरल इलेक्ट्रिक के दो टी700-जीई-401सी इंजन लगे होते हैं।

### फ्रांस में जंगल की आग के कारण 10 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षित निकाले गए

पेरिस, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण रातभर में 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बोर्डो शहर के पश्चिम में लगी आग अब तक करीब 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुकी है। आग पर काबू पाने के लिए करीब 500 दमकलकर्मी जुटे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग बेहद तेजी से फैल रही है, हालांकि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह आग आर्कशॉं खाड़ी के पास लगी है, जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इलाका है। आग के कारण निकाले गए लोगों में बड़ी संख्या में कैंपिंग साइट्स पर ठहरे पर्यटक शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र पिछले 20 वर्षों के वार्षिक औसत से अधिक हो चुका है। दुनिया के सबसे तेजी से गर्म हो रहे महाद्वीप यूरोप में इस साल अब तक लगातार तीन भीषण हीटवेव भी पड़ चुकी हैं।

### फ्रांस में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन : ऐसा करने वाला पहला ईयू देश

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की संसद ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगाने वाला बिल पास कर दिया है। इसके साथ ही फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला ध का पहला देश बन गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बिल का समर्थन किया है और इसे सितंबर से लागू करने की तैयारी है। कानून लागू कराने की जिम्मेदारी डिजिटल रेगुलेटर आर्कोम की होगी। हालांकि, बच्चों की उम्र की जांच कैसे होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फ्रांस के बाद ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस और डेनमार्क भी सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम उम्र तय करने की तैयारी में हैं। फ्रांस के कई माता-पिता ने फैसले का स्वागत किया है, जबकि कुछ किशोरों को एजुकेशनल कंटेंट और दोस्तों से संपर्क प्रभावित होने की चिंता है। शिक्षा मंत्री और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी कहा है कि सिर्फ बैन काफी नहीं होगा, बच्चों को डिजिटल दुनिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना भी जरूरी है।

### थाईलैंड में हिंसा : दक्षिणी प्रांत में सुरक्षा चौकी पर हमला, गोलीबारी–पाइप बम विस्फोट में पांच सैनिकों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत नाराथिवाट में सुरक्षा चौकी पर हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई। हमलावरों ने पहले सुरक्षा चौकी पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और फिर पाइप बम फेंककर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। थाईलैंड की रॉयल आर्मी की इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशंस कमांड के अनुसार, यह हमला 22 जुलाई की शाम नाराथिवाट प्रांत के रा–न्गे जिले के बुकेह सामी चेकपॉइंट पर हुआ। उस समय 45वीं रेंजर फोर्स रेजिमेंट के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हथियारबंद हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया। आईएसओसी ने सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिणी सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों को सी साखोन जिले में एक वाहन मिला, जिसे हमले में इस्तेमाल किए जाने का संदेह है। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए उस वाहन को आग के हवाले कर दिया था। फोरेंसिक टीम ने हमले वाली जगह और बरामद वाहन दोनों स्थानों से साक्ष्य जुटाए हैं। इनकी मदद से हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। आईएसओसी ने कहा कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। साथ ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश किया जाएगा।

# अपना ही एक नियम तोड़ रहे नेपाल के पीएम

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह खुद का बनाया अपना एक नियम तोड़ रहे हैं। ऐसा भारत और चीन से नेपाल के रिश्तों में संतुलन लाने के लिए किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बालेन शाह ने काठमांडू में तैनात अन्य देशों के राजदूतों से अकेले मीटिंग न करने का निर्णय लिया था। लेकिन अब ऐसी सूचना आई है कि पीएम शाह इस हफ्ते भारतीय और चीनी राजदूतों से अलग-अलग मिलने की योजना बना रहे हैं। नेपाल इस बात पर जोर देना चाहता है कि उसके लिए भारत और चीन का महत्व समान है। काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बालेन शाह जल्द ही भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मिलने वाले हैं।

**मीटिंग की डेट तय नहीं :** हालांकि अभी इस मीटिंग की एग्जैक्ट तारीख सामने नहीं आई है। एनडीटीवी के मुताबिक नेपाल सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मीटिंग की डेट बहुत जल्द ही सामने आएगी। यह फैसला बालेन शाह सरकार ने अपने पहले 100 दिन पूरी कर लिए थे। बता दें कि बालेन शाह नेपाल में जेन जी के विद्रोह के बाद सत्ता में आए थे। इसके नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथाओं को छोड़ दिया और विदेशी दूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने दो बार काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ संयुक्त कूटनीतिक बैठकें की हैं। कूटनीतिक परंपरा यह रही है कि हर नया निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल संभालने के कुछ दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या उनके आधिकारिक निवास पर विदेशी राजदूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं। लेकिन बालेन के मामले में अभी तक एक बार अपवाद हुआ है। उन्होंने जुलाई की शुरुआत में नेपाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कंदा से मुलाकात की। काठमांडू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापार समुदाय, जिसमें व्यापारी, ठेकेदार, उद्योगपति और निर्यातक समूह के साथ नियमित रूप से जुड़ना भी शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री ने पिछले दो सप्ताह में विभिन्न हितधारकों से मिलना शुरू कर दिया है। अब हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्हें विदेशी राजदूतों और राजनयिकों के साथ भी बातचीत करनी चाहिए।

# पाकिस्तान ने सीजेपी प्रदर्शन को बताया भारत का आंतरिक मामला, टिप्पणी करने से किया इनकार

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर अब पाकिस्तान का आधिकारिक बयान आ गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस पूरे विवाद को भारत का आंतरिक मामला बताते हुए टिप्पणी से इनकार कर दिया है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में पाक प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि वे ऐसे मामलों पर कोई भी बयान नहीं देते हैं। यह प्रदर्शन नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली को लेकर चल रहा है जिसमें हजारों छात्र अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। यह विशाल आंदोलन अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और छात्रों का गुस्सा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग कर रहे हैं। बीस जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह आंदोलन और उग्र हो गया है। इस बीच सोनम वांगचुक ने भी छात्रों के समर्थन में चल रहा अपना पच्चीस दिनों का लंबा अनशन अब पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

**पीएम मोदी ने दिया सख्त निर्देश :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक मामले को बहुत गंभीरता से लेते हुए कुछ अहम और बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान किया है। पीएम ने कहा कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य की रक्षा करना सरकार की सबसे बड़ी और अहम प्राथमिकता है। सरकार दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने के लिए सभी जरूरी और सख्त कदम उठा रही है। सरकार का बातचीत का प्रस्ताव केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत करने का अपना प्रस्ताव एक बार फिर से दोहराया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार अब तक चार बार सीजेपी से बातचीत का प्रस्ताव दे चुकी है। सरकार स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ छात्रों की वार्ता कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, छात्रों ने नड्डा के आवास पर बैठक से इनकार करते हुए किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत की मांग रखी है।

**पुलिस और छात्रों के बीच झड़प :** बीस जुलाई को आयोजित संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच भारी हिंसक झड़प हुई थी। छात्रों का सीधा आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि छात्रों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की बहुत कोशिश की थी। इसके बाद ही हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।

**पाकिस्तान की कूटनीतिक चुप्पी :** इस पूरे मामले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया से कई तरह के कूटनीतिक संकेत भी बहुत साफ मिल रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधे हुए अंदाज में इसे भारत का मामला बताकर खुद को किनारे कर लिया है। प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मानवाधिकारों के सवाल पर भी बहुत ही स्पष्ट और सीधा जवाब देने से खुद को बचाया। इससे यह साफ होता है कि पाकिस्तान फिलहाल भारत के इस आंतरिक और संवेदनशील मुद्दे पर कोई भी दखल नहीं चाहता। सरकार के लाख मनाने के बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र फिलहाल अपनी मांगों से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। छात्रों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, यह विशाल आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

# लगातार 13वीं रात अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए हमले, होर्मुज विवाद से तेल की कीमतों में भारी उछाल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को ईरान पर लगातार 13वीं रात जोरदार और भारी हवाई हमले किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक बंदर अब्बास के पश्चिमी इलाके में कई विस्फोटों की तेज आवाजें सुनी गई हैं। दोनों देशों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर यह गंभीर सैन्य टकराव अब अपने चरम पर पहुंच चुका है।

इस बीच यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमला किया है। इन लगातार हो रहे बड़े हमलों के कारण दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बहुत गहरी चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है। यह मई के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का सबसे ऊंचा और खतरनाक स्तर माना जा रहा है।

**अमेरिकी सेना का बड़ा बयान :** अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन नए हमलों की आधिकारिक पुष्टि करते हुए अपनी अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शाम 6:45 बजे ईरानी सैन्य ठिकानों के खिलाफ यह बड़ा अभियान शुरू किया गया था। यह लगातार 13वीं रात है जब अमेरिका ने ईरान को जवाबदेह ठहराने के लिए इतने बड़े हमले किए हैं। इसका मुख्य मकसद कमर्शियल जहाजों को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से मिलने वाले खतरे को कम करना है।

**स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज विवाद :** अमेरिका के इन ताजा और बड़े हमलों का सीधा मकसद क्षेत्रीय जल से गुजरने वाले आम नाविकों की सुरक्षा करना है। वाशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फिर से नियंत्रण पाने और अपनी सुरक्षित शिपिंग को बहाल करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने इस बेहद अहम समुद्री व्यापारिक रास्ते होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसी कारण दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के सामने आ गई हैं और युद्ध जैसे भयंकर हालात बन गए हैं।

**हूती विद्रोहियों की नई धमकी :** हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब में दुनिया के एक और बहुत अहम व्यापारिक मार्ग को भारी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला करके पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक बहुत बड़ी चुनौती दी है। इन घटनाओं से दुनिया में तेल की भारी किल्लत और आर्थिक संकट पैदा होने की बहुत बड़ी आशंका है। अमेरिका ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह से सतर्क कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों और ईरान को अपनी बहुत ही सख्त और बड़ी चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों पर अपने ये जानलेवा हमले लगातार जारी रखे। तो इसके जवाब में उन्हें अमेरिका की तरफ से बहुत बड़ी और विनाशकारी सैन्य सजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। अमेरिका अपने और अपने सहयोगी देशों के व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

# कनाडा, अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत में अपने हितों की रक्षा की पहल करेगा : कनाडाई पीएम कार्नी

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार हाल ही में अमेरिकी की टैरिफ धमकियों के जवाब में देश के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा करेगी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी ने गुरुवार को प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शार्लेटटाउन में राज्य और इलाके के नेताओं की एक मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा, वाशिंगटन से व्यापार के दबाव के बावजूद अपने मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों की रक्षा और मदद करेगा। पीएम कार्नी ने कहा, '18 महीने पहले जब यह ट्रेड वॉर शुरू हुआ था, तब की तुलना में हम अब ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। हम खुद कनाडाई लोगों के पक्के इरादे और इस टेबल पर मौजूद प्रीमियर्स के फोकस की वजह से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कुछ कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिकी वाणिज्य के साथ भेदभाव कर रहा है। 1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 का इस्तेमाल करते हुए, ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने के लिए तीन अलग-अलग प्रोक्लेमेशन पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस एक्शन का मकसद अमेरिकी वाणिज्य के साथ कनाडा के भेदभाव वाले बर्ताव से यूएस कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और



अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कारों, शराब और डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए प्लेइंग फील्ड को बराबर करना है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, मादक पेय, मोटर गाड़ियों और उनसे जुड़े सामानों पर मूल्य के अनुसार अतिरिक्त 50 फीसदी ड्यूटी 19 अगस्त से लागू होगी। जवाब में, पीएम कार्नी ने सोमवार को नए अमेरिकी टैरिफ को कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट का सीधा उल्लंघन करने वाली एकतरफा अमेरिकी व्यापार एक्शन की सीरीज में सबसे नया बताया। प्रधानमंत्री कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ट्रंप से बात की है और दोनों पक्ष व्यापार बातचीत को तेज करने पर सहमत हुए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में, सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने का फैसला किया। इसने कहा कि सरकार ने 18 ट्रेड डील पक्की कीं, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन यह भी कहा कि कनाडा ने अपनी व्यापार रुकावटों को दूर करने के बजाय अमेरिका के साथ भेदभाव करने का फैसला किया।

# मैनहट्टन में दो लोगों पर चाकू से हमला, एशियाई और यहूदी व्यक्ति बना निशाना

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड इलाके में गुरुवार (स्थानीय समय) दो अलग-अलग चाकूबाजी की घटनाओं से सनसनी फैल गई। इन दोनों हमलों में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति घायल हुआ है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 51 वर्षीय संदिग्ध राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या ये हमले किसी नफरत की भावना से किए गए थे। न्यूयॉर्क पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों घायलों को तुरंत माउंट सीनाई-सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह है कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उनके बचने की उम्मीद है।

जेसिका टिश ने कहा, 'अपर वेस्ट साइड में दो अलग-अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ितों में एक एशियाई पुरुष और एक यहूदी पुरुष शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि 51 वर्षीय राउल मोरालेस को दोनों हमलों के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है और हमले के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से पता चला है कि हमले के दौरान आरोपी ने 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। इसी आधार पर न्यूयॉर्क पुलिस विभाग इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह मामला संभावित हेट क्राइम का है। जेसिका टिश ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के रिकॉर्ड में आरोपी का मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई इतिहास नहीं मिला है। हालांकि शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि इस घटना में मानसिक स्वास्थ्य भी एक संभावित कारण हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच किसी तरह



का कोई संबंध सामने नहीं आया है। इस घटना पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों घायल फिलहाल स्थिर हालत में हैं। जोहरान ममदानी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपर वेस्ट साइड में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हुए भयावह चाकू हमले की जानकारी मुझे दी गई है। पीड़ितों और गवाहों के अनुसार, हमलावर ने दोनों घटनाओं के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। मुझे खुशी है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के आरोपी राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में मानसिक स्वास्थ्य एक संभावित कारण के रूप में सामने आया है और पुलिस इन हमलों को संभावित हेट क्राइम के रूप में भी जांच रही है। इस तरह के नफरत से प्रेरित और घृणित हमलों की हमारे शहर में कोई जगह नहीं है।

पुलिस ने बाया कि आरोपी को दबोच लिया गया है। उसका नाम राउल मोराल्स है।आरोपी की उम्र 51 साल बताई गई है। पुलिस कमिश्नर ने कहा, इस मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि आखिर इस अपराध के पीछे वजह क्या थी। यह भी पता लगाया जाएगा कि यह कोई आपसी रंजिश का मामला तो नहीं था। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि हो सकता है कि यह मानसिक विक्षिप्तता का मामला हो। उन्होंने कहा कि इस तरह के घृणित कार्यों के लिए शहर में कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों ही पीड़ित अब ठीक हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बता दें कि इसी महीने न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड में अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान गोलीबारी हुई थी जिसमें कम से कम आठ लोग घायल हो गए थे।

## फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।
उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।
बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

# खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

## सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं।
टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।''
उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

## सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

# कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'
भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

## जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

### 'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।
कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

### सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

# डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

**टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।**

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।
उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।''
अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

### असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

सीडब्ल्यूजी 2026:

# जादुमनी का दमदार आगाज

## 5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

**ग्लास्गो, एजेंसी।** भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए। भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

# भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

# विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

- ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

सीडब्ल्यूजी: डे-2

# भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

**ग्लास्गो, एजेंसी।** राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

# 'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

**ग्लास्गो, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

### चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

# मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

# वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

**मैकेंजी की टीम में वापसी:** 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

# भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

- तारीखों में हो सकता है बदलाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।